बालाघाट म.प्र. से प्रकाशित एवं बालाघाट, सिवनी (म.प्र.) एवं गोंदिया भंडारा (महा.) मे एक साथ प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 10 जून 2026 | दिन - बुधवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 133 | मूल्य - 5 रुपये

कांग्रेस विधायकों को लेकर उड़ा विमान, और मीनाक्षी नटराजन का नामांकन हुआ रद्द..

म.प्र. राज्यसभा मे कांग्रेस उम्मीदवार के नामांकन रद्द किये जाने पर कांग्रेस ने 'सीट चोरी' का लगाया आरोप..

कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन रद्द होने के बाद भोपाल में निर्वाचन कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतु पटवारी एवं अन्य कांग्रेस नेता..

भोपाल, (भाषा)।

मध्यप्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों पर हो रहे चुनाव में मंगलवार को सभी कांग्रेस विधायकों को लामबंद करते हुए कांग्रेस ने एक साथ विमान में कांग्रेस विधायकों को कर्नाटक रवाना किया, ईधर देर शाम उस समय नाटकीय मोड़ आ गया, जब शपथपत्र में

जानकारी छुपाने के आरोप में कांग्रेस की उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द कर दिया गया। कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार देते हुए आरोप लगाया कि यह अब 'वोट चोरी' का मामला नहीं रहा, बल्कि 'सीट चोरी' का मामला बन गया है। मध्यप्रदेश विधानसभा के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार महेश केवट ने निर्वाचन अधिकारी (रिटर्निंग अधिकारी) के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी कि नटराजन ने जानबूझकर अपने खिलाफ तेलंगाना में दर्ज एक मुकदमे का शपथ पत्र में कोई उल्लेख नहीं किया है। उन्होंने कहा कि इसे लेकर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद निर्वाचन अधिकारी ने नटराजन का नामांकन निरस्त कर दिया।

बोले अधिवक्ता संकेत गुप्ता..

भाजपा प्रत्याशी महेश केवट के अधिवक्ता संकेत गुप्ता ने विधानसभा में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि तेलंगाना की एक अदालत में नटराजन के खिलाफ एक आपराधिक मामला लंबित है और शपथपत्र में इसका उल्लेख नहीं है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के मुताबिक शपथपत्र में सभी आपराधिक मामलों का उल्लेख किया जाना जरूरी है लेकिन नटराजन ने जानबूझकर इसे छुपाया। गुप्ता ने कहा कि निर्वाचन अधिकारी ने इसी आधार पर नटराजन का नामांकन निरस्त कर दिया है।

बोले कैलाश विजयवर्गीय..

राज्य सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इसे न्याय की जीत बताया और कहा कि भाजपा ने संवैधानिक प्रक्रियाओं का पालन करते हुए अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी। गुप्ता ने बताया कि नटराजन ने इस आपराधिक मामले में अदालत में अपना जवाब भी दाखिल किया है लेकिन शपथ पत्र में इसका उल्लेख नहीं किया। उन्होंने कहा, ''इस जानकारी को जानबूझकर छुपाया गया है। उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के मुताबिक शपथ पत्र में आपको यह जानकारी देनी होती है।

बोले विवेक तन्खा..

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विवेक तन्खा ने नटराजन के नामांकन को निरस्त किए जाने पर तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि यह अब 'वोट चोरी' का मामला नहीं रहा, बल्कि 'सीट चोरी' का मामला बन गया है। राज्यसभा सदस्य तन्खा ने कहा कि उन्होंने स्वयं नामांकन पत्रों की जांच की है और उसमें ऐसी कोई भी जानकारी छिपाई नहीं गई थी, जिसे घोषित किया जाना आवश्यक हो। तन्खा ने कहा कि ''उनके (नटराजन) खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं थी। केवल दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 223 के तहत एक नोटिस था, जिसमें एक आवेदक ने दावा किया था कि उन्हें और अन्य लोगों को 10 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिए। मीनाक्षी नटराजन ने उस नोटिस पर आपत्ति दर्ज करते हुए कहा था कि यह नोटिस उन्हें भेजा ही नहीं जा सकता, क्योंकि उनका उस मामले से कोई संबंध नहीं है।'' तन्खा ने कहा, ''न कोई अपराध दर्ज था, न कोई प्राथमिकी थी और न ही कोई विधिक प्रकरण लंबित था। ऐसे में वे आखिर कौन-सी बात एफआईआर या न्यायिक प्रकरण के रूप में घोषित किया गया, केवल किसी अदालत द्वारा नोटिस जारी कर देना अपने आप में कोई मामला या अपराध सिद्ध नहीं करता।'' बिना किसी विधिक प्रकरण के एक ऐसी असामान्य स्थिति बना दी गई, जिसके आधार पर भोपाल के निर्वाचन अधिकारी ने एक राष्ट्रीय पार्टी के विजयी उम्मीदवार को पराजित कर दिया। ''यह अत्यंत दुखद है। यह लोकतंत्र की हत्या है।'' तन्खा ने कहा कि मौजूदा परिस्थिति में चुनाव याचिका दायर की जा सकती है, लेकिन विशेष परिस्थितियों में पार्टी को सीधे उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाना चाहिए। ''इस पूरे मामले को बेनकाब करना चाहिए और जिम्मेदार लोगों को उजागर करना चाहिए।

कांगो में इबोला के 550 मरीजों में से 101 लोगों की मौत..

बुनिया (कांगो), (एपी)। पूर्वी कांगो में इबोला का प्रकोप घोषित होने के एक महीने से भी कम समय में इसके संक्रमण के कारण 101 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आक्रोशित निवासियों द्वारा स्वास्थ्यकर्मियों पर हमले, कुछ स्थानीय लोगों के बीच संशय और संवेदनशील क्षेत्रों में सशस्त्र संघर्ष, इबोला के प्रकोप को रोकने के प्रयासों के लिए लगातार चुनौतियां पेश कर रहे हैं। पूर्वी कांगो में 15 मई को इबोला के प्रकोप की घोषणा की गई थी। सोमवार देर शाम जारी अद्यतन रिपोर्ट के अनुसार, अब तक इबोला वायरस के संक्रमण के कुल 550 मरीजों की पुष्टि हुई है। इनमें से 101 लोगों की मौत हो गई और 19 मरीज ठीक हो गए हैं। यह प्रकोप मुख्य रूप से कांगो के पूर्वी प्रांत इटुरी में केंद्रित है, जहां कुल मामलों के 90 प्रतिशत से अधिक मामले सामने आये हैं। कुछ मामले उत्तर किवु और दक्षिण किवु प्रांतों में भी सामने आए हैं और यह वायरस सीमा पार कर युगांडा तक फैल चुका है। हालांकि, कांगो में इबोला संक्रमण के मामलों की संख्या अधिक होने का अनुमान है।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

हसीब मोहम्मद सिवनी
मो. 7898530101

जग प्रेरणा

जिला सिवनी

● अरी ● गंगेरुआ ● बरघाट ● लखनादौन ● छपारा ● केवलारी

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

अल्टीमेटम खत्म होने के बाद धनौरा बस स्टैंड पर किसानों का विशाल चक्काजाम

तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर दिया मांगों के शीघ्र निराकरण का आशवासन..

बलजीत सिंह, जगप्रेरणा धनौरा।

क्षेत्र के किसानों की समस्याओं का समय पर निराकरण न होने से भड़के अन्नदाताओं ने आज अपनी पूर्व चेतावनी के अनुरूप धनौरा मुख्यालय पर मोर्चा खोल दिया।

बीते 6 जून को गोंडवाना गणतंत्र पार्टी और किसान संघ के बैनर तले दिए गए 3 दिवसीय अल्टीमेटम का समय समाप्त होने के बाद भी जब प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो आज 9 जून को विकासखंड धनौरा के सैकड़ों किसानों ने उग्र रूप अख्तियार कर लिया।

किसानों ने विशाल ट्रैक्टर रैली निकालकर धनौरा बस स्टैंड मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया, जिससे चारों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।

चेतावनी के बाद सड़क पर उतरा जनसैलाब, तहसीलदार को बुलाने पर अड़े किसान..

उल्लेखनीय है कि 6 जून को महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर 3 दिनों के भीतर खाद की किल्लत और पोर्टल की कमियों को दूर करने की मांग की गई थी। समय सीमा बीत जाने के बाद आज बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टरों के साथ सड़कों पर उतर आए।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल मौके पर पहुंचआंदोलनकारी किसान मौके पर ही वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को बुलाने और मांगों को तत्काल पूरा करने के आश्वासन पर अड़ गए। जिसके बाद तहसीलदार धनौरा ने प्रदर्शन स्थल पर पहुंचकर आंदोलनकारी किसानों से सीधी चर्चा की और उनकी मांगों को लेकर शासन-प्रशासन का रुख स्पष्ट किया।

तहसीलदार ने दिया ठोस आश्वासन, इन बिंदुओं पर बनी सहमति..

किसानों के आक्रोश को देखते हुए तहसीलदार ने सभी जायज मांगों को शीघ्र पूरा करने का भरोसा दिलाया और मौके पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की बात कही।

खाद की पर्याप्त उपलब्धता..

तहसीलदार ने किसानों को आश्वस्त किया कि वर्तमान में सरकारी सोसायटियों और निजी दुकानों पर डीएपी व यूरिया खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, सभी पात्र किसानों को मांग के अनुसार खाद वितरित कराई जाएगी।

खसरा व रकबा संबंधी सुधार..

पोर्टल पर खसरा और रकबा नंबर दर्ज न होने या तकनीकी त्रुटियों को लेकर उन्होंने कहा कि राजस्व अमले को निर्देशित कर दिया गया है। जो भी किसान अपनी समस्या लेकर आएंगे, उनका शीघ्र ही प्राथमिकता के आधार पर सुधार कार्य किया जाएगा।

ई-टोकन व्यवस्था..

सर्वर डाउन होने के कारण ई-टोकन जनरेट न होने की समस्या पर उन्होंने कहा कि यह तकनीकी समस्या राज्य स्तर से सर्वर के कारण होती है, जैसे ही सर्वर सुचारू रूप से चलेगा, सभी किसानों को तत्काल ई-टोकन मिलना शुरू हो जाएंगे।

रेट सूची अनिवार्य..

निजी दुकानदारों द्वारा मनमाने दामों पर खाद-बीज बेचने की शिकायतों पर कड़ा रुख अपनाते हुए तहसीलदार ने कहा कि शीघ्र ही सभी निजी कृषि केंद्रों पर आधिकारिक रेट सूची लगाना अनिवार्य किया जाएगा।

छोटे किसानों से भेदभाव पर कार्रवाई..

सोसायटियों में छोटे किसानों को बहला-फुसलाकर भगाने और केवल बड़े व रसूखदार किसानों को खाद देने के गंभीर आरोपों पर उन्होंने कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी वितरण केंद्र से ऐसी शिकायत आती है, तो संबंधित प्रबंधकों और कर्मचारियों के ऊपर तत्काल सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आश्वासन के बाद खुला चक्काजाम

तहसीलदार द्वारा हर समस्या के त्वरित और समयबद्ध निराकरण का लिखित व मौखिक आश्वासन मिलने के बाद किसानों ने अपना आंदोलन समाप्त किया और बस स्टैंड मार्ग से चक्काजाम हटाया। किसान नेताओं ने दो टूक शब्दों में कहा है कि यदि इस आश्वासन के बाद भी जमीनी स्तर पर सुधार नजर नहीं आया, तो आगामी दिनों में इससे भी अधिक उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान गोंगपा पदाधिकारी, किसान संघ के प्रतिनिधि, क्षेत्र के वरिष्ठ जन, युवा साथी और सैकड़ों की संख्या में किसान भाई उपस्थित रहे।

बंडोल स्थित साहू कृषि केंद्र का औचक निरीक्षण, एफआईआर दर्ज

जगप्रेरणा सिवनी।

जिले में उर्वरकों की बिक्री में अनियमितताओं के मामले में कृषि विभाग ने कार्रवाई करते हुए बंडोल के एक कृषि केंद्र संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। कार्रवाई मंगलवार सुबह निरीक्षण के दौरान मिली शिकायतों और दस्तावेजी जांच के आधार पर की गई।

कृषि विभाग के निर्देश पर गठित निरीक्षण दल ने बंडोल स्थित साहू कृषि केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उर्वरकों के भंडारण, विक्रय व्यवस्था और अभिलेखों की जांच की गई।

डीएपी बिक्री में नियमों के उल्लंघन के आरोप..

जांच के दौरान अधिकारियों को डीएपी उर्वरक के विक्रय में अनियमितताएं मिलने का दावा किया गया। विभाग के अनुसार, उर्वरक निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप ई-टोकन और पीओएस प्रणाली के माध्यम से नहीं बेचा जा रहा था। साथ ही निर्धारित दर से अधिक कीमत वसूलने के आरोप भी सामने आए। निरीक्षण टीम ने केंद्र और उससे जुड़े गोदाम में रखेउर्वरकों का भौतिक सत्यापन भी किया। यहां डीएपी, यूरिया, एनपीके, म्यूरेट ऑफपोटाश और सिंगल सुपर फास्फेट सहित विभिन्न उर्वरक भंडारित पाए गए।

अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका संचालक..

अधिकारियों ने संचालक से स्टॉक रजिस्टर, क्रय-विक्रय अभिलेख और अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा। विभाग का कहना है कि निरीक्षण के दौरान संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जा सके। जांच के बाद विभाग ने विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कर थाना बंडोल को भेज दिया।

आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज..

कृषि विभाग की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने कृषि केंद्र संचालक के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 और उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किसानों को निर्धारित दर पर उर्वरक उपलब्ध कराने पर जोर

कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि किसानों को निर्धारित मूल्य पर और पारदर्शी व्यवस्था के तहत उर्वरक उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। विभाग ने संकेत दिए हैं कि उर्वरकों की कालाबाजारी, अधिक मूल्य वसूली और नियमों के उल्लंघन की शिकायतों पर आगे भी नियमित निरीक्षण और कार्रवाई जारी रहेगी।

कान्हीवाड़ा खैरा-पलारी क्षेत्र में खाद-बीज माफिया बेलगाम, किसानों की मजबूरी पर मुनाफाखोरी..

खाद बीज की खुलेआम कालाबाजारी दुकानदारों की मनमानी चरम पर..

जगप्रेरणा केवलारी।

खैरा पलारी क्षेत्र जो की मिनी पंजाब के नाम से जाना जाता है। जो कि किसान इतनी मुसीबत झेल रहा है देश का भगवान कहा जाने वाला किसान बड़े साहूकारों के जोड़ रहा है हाथ पैर खाद बीज के लिए खा रहा है दर-दर की ठोकर एवं खाद बीज दुकानदार बड़ी निर्दयता से किसानों का कर रहे हैं शोषण बेच रहे हैं मनमानी दामों में खाद बीज निर्धारित दरों को दरकिनार कर मनमाने दामों पर बिक रहे खाद-बीज; डुप्लीकेट दवाइयों की भी आशंका खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही खैरा-पलारी क्षेत्र में खाद-बीज की किल्लत और कालाबाजारी ने किसानों की परेशानी कई गुना बढ़ा दी है। क्षेत्र के किसानों का आरोप है कि कुछ खाद-बीज विक्रेता डीएपी, यूरिया और अन्य कृषि सामग्री को निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराने के बजाय मनमाने दामों पर बेच रहे हैं। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि जरूरतमंद किसान मजबूरी में ऊंचे दाम चुकाने को विवश हैं।

किसानों का कहना है कि दुकानदारों द्वारा डीएपी और यूरिया की कृत्रिम कमी पैदा कर अधिक कीमत वसूली जा रही है। वहीं कई जगहों पर खाद के साथ अन्य उत्पाद खरीदने का दबाव भी बनाया जा रहा है। आरोप यह भी हैं कि क्षेत्र में कुछ विक्रेताओं द्वारा संदिग्ध एवं डुप्लीकेट कृषि दवाइयों की बिक्री की जा रही है, जिससे किसानों की फसल और आर्थिक स्थिति दोनों खतरे में पड़ रही हैं।क्षेत्र के किसानों ने बताया कि खेती का समय होने के बावजूद उन्हें समय पर खाद नहीं मिल रही है।

सरकारी व्यवस्था और निगरानी तंत्र की कमजोरी

सरकारी व्यवस्था और निगरानी तंत्र की कमजोरी का फायदा उठाकर कुछ कारोबारी खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।किसानों का आरोप है कि संबंधित विभाग को कई बार शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन ने जल्द सख्त कदम नहीं उठाए तो किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। खेती-किसानी के महत्वपूर्ण समय में खाद-बीज की कालाबाजारी और नकली दवाइयों का कारोबार किसानों की मेहनत पर सीधा हमला है।

किसानों ने जिला प्रशासन कृषि विभाग और संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि खाद-बीज दुकानों की तत्काल जांच कराई जाए, स्टॉक और बिक्री रजिस्टर की पड़ताल हो तथा कालाबाजारी और नकली सामग्री बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

किसानों का सरकार से सवाल

'जब सरकार किसानों को राहत देने और समय पर खाद उपलब्ध कराने के दावे कर रही है, तो आखिर खैरा-पलारी क्षेत्र में खाद-बीज माफिया किसके संरक्षण में किसानों का शोषण कर रहे हैं?'

प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

खैरा-पलारी क्षेत्र में लगातार सामने आ रही शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभागों की निष्क्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो यह मनमानी और कालाबाजारी आने वाले दिनों में और भी विकराल रूप ले सकती है।

बिना पक्के बिल के हो रही बिक्री, टैक्स चोरी की भी आशंका

खैरा-पलारी क्षेत्र के किसानों ने आरोप लगाया है कि कई खाद-बीज विक्रेता डीएपी, यूरिया, कृषि दवाइयों एवं अन्य कृषि सामग्री की बिक्री के दौरान पक्का बिल देने से बच रहे हैं। किसानों का कहना है कि दुकानदार मनमाने दामों पर सामग्री बेच रहे हैं, लेकिन खरीदारी के बाद बिल मांगने पर टालमटोल की जाती है या फिर कच्ची पर्ची थमा दी जाती है। किसानों के अनुसार पक्का बिल नहीं मिलने से न केवल खरीदारों के अधिकारों का हनन हो रहा है, बल्कि शासन को मिलने वाले राजस्व पर भी असर पड़ सकता है। क्षेत्र में चर्चा है कि कुछ दुकानदार बिलिंग प्रक्रिया से बचकर टैक्स चोरी कर रहे हैं और इसका सीधा नुकसान सरकारी खजाने को उठाना पड़ रहा है। किसानों ने मांग की है कि प्रशासन खाद-बीज दुकानों के स्टॉक, बिक्री रजिस्टर, जीएसटी बिल और खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड की गहन जांच कराए। यदि बिना बिल बिक्री, अधिक मूल्य वसूली या टैक्स चोरी की शिकायतें सही पाई जाती हैं तो संबंधित दुकानदारों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि किसानों के साथ हो रहे आर्थिक शोषण पर रोक लग सके।

मेहनत का मिला स्वर्णिम सम्मानः डॉ. शिवांशी ने एमबीबीएस में हासिल किया गोल्ड मेडल..

बलजीत सिंह, जगप्रेरणा धनौरा।

सौसर क्षेत्र की प्रतिभाशाली बेटी डॉ. शिवांशी श्रीवास्तव ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे सौसर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस सफलता से क्षेत्र में हर्ष और गौरव का माहौल है। देवास स्थित अमलतास इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (एमपीएमस्यू) के दीक्षांत समारोह में डॉ. शिवांशी को औपचारिक रूप से एमबीबीएस की उपाधि प्रदान की गई। साथ ही शैक्षणिक सत्र 2020-21 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी मेहनत, लगन और शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रमाण है। डॉ. शिवांशी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सौसर के प्रतिष्ठित सुभाष मॉन्टेसरी पब्लिक स्कूल से प्राप्त की। छात्र जीवन से ही उन्होंने अनुशासन, समर्पण और निरंतर परिश्रम को अपना आधार बनाया, जिसके बल पर उन्होंने यह महत्वपूर्ण मुकाम हासिल किया। डॉ. शिवांशी, श्री गंगाधर श्रीवास्तव एवं श्रीमती अरुणा श्रीवास्तव की सुपुत्री हैं। उनके पिता रेमंड लिमिटेड में कार्यरत हैं, जबकि माता गृहिणी हैं। बेटी की इस उपलब्धि पर परिवार, मित्रों, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. शिवांशी अब चिकित्सा क्षेत्र में और अधिक विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए स्नातकोत्तर (पीजी) अध्ययन की तैयारी कर रही हैं। उनकी सफलता क्षेत्र की युवा पीढ़ी, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ संकल्प, अथक परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण से किसी भी ऊंचाई को हासिल किया जा सकता है। सौसर की इस होनहार बेटी की उपलब्धि ने पूरे क्षेत्र को गौरवान्वित किया है और शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने की प्रेरणा दी है।

ग्राम पंचायत धनौरा में कानून-व्यवस्था और नियमों की उड़ीं धज्जियां..

छिपाकर किया गया करोड़पति योजना का गुप्त आवंटन, रसूखदारों को उपकृत करने के आरोप..

बलजीत सिंह जगप्रेरणा धनौरा।

सिवनी जिले की जनपद पंचायत धनौरा मुख्यालय के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत धनौरा में प्रशासनिक तानाशाही और वित्तीय अनियमितता का एक और बड़ा मामला प्रकाश में आया है। धनौरा-बालपुर मार्ग पर स्थित नवनिर्मित मार्केट कॉम्प्लेक्स की दुकानों के वितरण में सरकारी गाइडलाइन, पंचायती राज नियमों और वैधानिक प्रक्रियाओं की सरेआम धज्जियां उड़ा दी गईं।

आरोप है कि कमजोर, गरीब, वंचित और असहाय तबके के लोगों को पूरी तरह से दरकिनार कर, अपात्र और संपन्न लोगों को गुप्त तरीके से रातों-रात दुकानों की चाबियां सौंप दी गईं। इस पूरे नियम विरुद्ध कारनामे की लिखित शिकायत साक्ष्यों के साथ जिला पंचायत सिवनी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से की गई है।

ना सी.सी. जारी हुई, ना टेंडर प्रक्रिया : गुप्त तरीके से हुआ पूरा खेल

शासकीय नियमों के अनुसार, किसी भी नवनिर्मित सरकारी भवन या दुकान का तब तक आवंटन या उपयोग नहीं किया जा सकता, जब तक कि उसका अंतिम मूल्यांकन न हो जाए और तकनीकी शाखा द्वारा कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र यानी सी.सी. जारी न कर दी जाए। इसके साथ ही, दुकानों के पारदर्शी आवंटन के लिए समाचार पत्रों में सार्वजनिक निविदा या नीलामी की सूचना जारी की जानी अनिवार्य है, ताकि हर नागरिक को समान अवसर मिले। किंतु धनौरा पंचायत द्वारा न तो कार्य की सी.सी. जारी होने का इंतजार किया गया और न ही अखबारों में कोई टेंडर/विज्ञप्ति दी गई। पंचायत ने नियमों को ताक पर रखकर, बिना वार्ड पंचों को विश्वास में लिए और बिना ग्राम की आम जनता को सूचना दिए, गुपचुप तरीके से दुकानों का वितरण कर दिया। शासकीय नियमों के अनुसार इस कॉम्प्लेक्स का वितरण बकायदा आरक्षण प्रक्रिया के तहत होना था, लेकिन सरपंच-सचिव ने इन सभी स्थापित वैधानिक प्रक्रियाओं को पैरों तले रौंद दिया।

सरपंच दिनेश कौरेती और 'छोटभैया' नेताओं की साठगांठ से हुआ कारनामा

पीड़ित व्यवसायी आशीष जैन द्वारा जिला पंचायत सीईओ को सौंपे गए आवेदन के अनुसार, यह पूरा नियम विरुद्ध कारनामे का तानाबाना धनौरा सरपंच दिनेश कौरेती और उनके साथ मिले कुछ स्थानीय 'छोटभैया' नेताओं की साठगांठ से बुना गया है। राजनैतिक रसूख का इस्तेमाल कर इन नेताओं ने आपस में बंदरबांट करते हुए उन संपन्न लोगों को भी दुकानें थमा दीं, जिन्हें वास्तव में इसकी कोई आवश्यकता नहीं थी, जबकि जरूरतमंदों को धक्के खाने पर मजबूर कर दिया गया। 6 जून 2026 की रात्रि को कथित रूप से गुप्त रूप से दुकानदारों को सामग्रियां रखने के लिए चाबियां सौंप दी गईं। इसके बदले जो मोटी राशियां वसूली गईं, उसका कोई भी विवरण ग्राम पंचायत के शासकीय अभिलेखों या ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज नहीं किया गया है, जो सीधे तौर पर गंभीर वित्तीय गबन की ओर इशारा करता है।

उच्च स्तरीय जांच की मांग तेज..

इस प्रशासनिक धांधली और भ्रष्टाचार से आक्रोशित नागरिकों और पीड़ितों ने जिला कलेक्टर सिवनी, जिला पंचायत सीईओ और जनपद सीईओ को प्रतिलिपि सौंपकर मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए। पीड़ितों ने मांग उठाई है कि बिना सी.सी. और बिना टेंडर के किए गए इस अवैध आवंटन को तत्काल निरस्त किया जाए, और शासन की प्रचलित गाइडलाइन के अनुसार पूरी पारदर्शिता के साथ दोबारा विधिवत आवंटन सुनिश्चित कराया जाए।

अखंड भारतीय कुशवाहा महासभा का सम्मेलन 14 जून को..

सामाजिक एकता एवं समरसता के लिए हो रहा है यह सम्मेलन-कुशवाहा

जगप्रेरणा सिवनी।

अखंड भारतीय कुशवाहा महासभा भारत द्वारा आयोजित सामाजिक सम्मेलन सामाजिक एकता जन जागरण एवं सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम का आयोजन 14 जून दिन रविवार को प्रातः 9:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक राशि लान वृंदावन होटल के सामने तिकोना पार्क सिवनी में आयोजित किया गया है कार्यक्रम के आयोजन एमजी कुशवाहा के मार्गदर्शन में पत्रकार वार्ता का कार्यक्रम किया गया। इस दौरान श्री कुशवाहा ने बताया कि कार्यक्रम में विशेष आकर्षण युवक युक्ति परिचय सम्मेलन संस्कृत वैवाहिक संबंधों की मिलेगा नया मंच एवं प्रतिभा सम्मान मेधावी विद्यार्थियों वरिष्ठ जनों एवं विशिष्ट समाजसेवियों का सम्मान किया जाएगा श्री कुशवाहा ने आगे बताया कि वे 10 साल में समाज के 10 करोड लोगों को जोड़ने का प्रयास करेंगे इसके लिए भी निरंतर यात्रा कर रहे हैं और अनेक प्रांतो की यात्रा कर चुके हैं। सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक एकता और समरसता को बढ़ावा देना है शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार एवं संस्कारों का विकास करना है युवा जागरण एवं महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है नशा मुक्ति पर्यावरण संरक्षण एवं जन सेवा इसका उद्देश्य रखा गया है समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं समाजसेवियों का सम्मान के साथ संस्कृति आध्यात्मिक एवं इतिहास से प्रेरणा लेने की बात कही गई है साथ ही रोजगार सृजन एवं आत्मनिर्भरता युवा नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास कृषि व्यापार एवं आर्थिक उन्नति का भी इसमें समावेश किया गया है। अपने आगे बताया कि सिवनी जिले में प्रथम राष्ट्रीय ऐतिहासिक पुष्प बंसी मौर्यवंशी सामाजिक सम्मेलन का आयोजन किया गया है इसमें कुशवाहा काशी सैनी माली मौर्य मरार कछ्वाहा कश्यप पटेल हडिया हॉकर चौरसिया भगत प्रसाद रेडी नायडू कनौजिया एवं अन्य जातियों का संगठन संवी से भारत में 7 गतिविधि केंद्र के रूप में है जिसमें गोरखपुर उज्जैन हैदराबाद बेंगलुरु चेन्नई अरुणाचल प्रदेश एवं ऋषिकेश शामिल है आयोजन में अनेक लोगों को आमंत्रित किया गया है जो अपनी विचारधारा जन जन के समक्ष रखेंगे। पत्रकार वार्ता में आमंत्रित पत्रकार जनों का श्रीफल साल से सम्मान किया गया इस अवसर पर श्री मदन गोपाल कुशवाहा का सम्मान श्रमजीवी पत्रकार परिषद के अध्यक्ष शरद दुबे द्वारा किया गया। इस दौरान पत्रकार गण उपस्थित रहे इस अवसर पर गीत संगीत की महफिल भी चलती रही अंत में मदन गोपाल कुशवाहा द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

श्रीमती शीलादेवी सेवलानी का निधन..

जगप्रेरणा सिवनी।

राज एजेंसी सिवनी के संचालक अशोक कुमार सेवलानी, बलराम सेवलानी, प्रकाश सेवलानी, विनेश सेवलानी की माताजी श्रीमती शीलादेवी रूपचंद सेवलानी का 09 जून को स्वर्गवास हो गया है। उनका अंतिम संस्कार कल बुधवार 10 जून को प्रातः 10 बजे नार्मल स्कूल मुंगवानी रोड स्थित मोक्षधाम में सम्पन्न होगा। स्व. श्रीमती सेवलानी अपने पीछे पुत्र-पुत्रवधु, नाती-

पौतों से भरापूरा परिवार छोड़ गई है। परमात्मा से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और अपने श्री चरणों में स्थान दें और परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों की कलेक्टर मृणाल मीना ने की समक्ष में सुनवाई

जगप्रेरणा बालाघाट।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने 09 जून को सीएम हेल्पलाईन की राजस्व विभाग की 250 दिनों से अधिक की लंबित शिकायतों की समक्ष में सुनवाई की और उनका शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने शिकायतकर्ता से उसका पक्ष सुना और संबंधित

अधिकारियों को नियमों के अनुसार कार्यवाही करने कहा। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री डी.पी.बर्मन एवं अधीक्षक भू-अभिलेख श्री कृष्णा नायर भी उपस्थित थे। खैरलांजी तहसील के ग्राम मिरगपुर निवासी संतोष मेश्राम द्वारा आबादी भूमि का सर्वे ठीक से नही किये जाने की शिकायत की गई थी। यह शिकायत निराकरण के लिए 410 दिनों से लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान संबंधित क्षेत्र के पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक से वस्तुस्थिति की जानकारी ली गई और इस शिकायत को बंद करने के निर्देश दिये गए।

बालाघाट तहसील के ग्राम टेकाडी निवासी नवींद्र सिंह ठाकुर द्वारा अपनी जमीन का सीमांकन नही होने संबंधी शिकायत की गई थी, यह शिकायत 364 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। इस शिकायत की समक्ष में सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता एवं संबंधित पटवारी व राजस्व निरीक्षक से वस्तुस्थिति की जानकारी ली गई, जिसमें पता चला कि पटवारी द्वारा नवींद्र सिंह की जमीन का सीमांकन किया जा चुका है, इसके बाद भी नवींद्र सिंह द्वारा शिकायत को बंद नही किया जा रहा है। इस पर नवींद्र सिंह को बताया गया कि पटवारी द्वारा उसकी जमीन का सीमांकन उसके समक्ष कर दिया गया है और उसके रकबे की जमीन बता दी गई है। अब इसका फ़िर से सीमांकन नही किया जाएगा। इस शिकायत को बंद करने के निर्देश दिये गए।

लांजी तहसील की ग्राम बिरनपुर के घनश्याम चौधरी द्वारा उसकी भूमि पर राधेलाल पुत्र अनिल महेश्वर द्वारा अतिक्रमण कर मकान बनाने की शिकायत की गई थी। यह शिकायत निराकरण के लिए 324 दिनों से लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान पाया गया कि संबंधित पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक द्वारा इस शिकायत के निराकरण में ठीक से काम नही किया गया और लापरवाही बरती गई है। इस पर संबंधित पटवारी एवं राजस्व निरीक्षक की एक-एक वेतनवृद्धि रोकने के लिए नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए और इस शिकायत को बंद कराने के निर्देश दिये गए। लालबर्रा तहसील की ग्राम सोनेवानी की ललिता कुमरे द्वारा ग्राम सोनेवानी के विस्थापन प्रक्रिया में उसे मुआवजा राशि नही मिलने की शिकायत की गई थी। यह शिकायत 300 दिनों से निराकरण के लिए लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान पाया गया कि जिस तिथि के आधार पर परिवार के वयस्क सदस्यों को ईकाई मानकर मुआवजा दिया जाना था उस तिथि के पूर्व ललिता कुमरे का सिवनी जिले के गांव में विवाह हो चुका था। जिसके कारण वह मुआवजा पाने के लिए अपात्र थी। ललिता को बता दिया गया कि उसे मुआवजा राशि नही मिल सकती है और इस शिकायत को बंद करा दिया गया। समक्ष में सुनवाई के दौरान बैहर तहसील की ग्राम गढी के रमेश राज झारियॉ एवं लामता के मनीष द्वारा किसान सम्मान निधि की राशि नही मिलने की शिकायतों का निराकरण कराया गया और इन्हें बंद कराया गया। इसी प्रकार कटंगी तहसील के ग्राम जराहमोहगांव निवासी लेखराम डहरवाल की ऋष्ा पुस्तिका में खसरा नंबर नही जोडे जाने एवं किरनापुर निवासी कमल बाहे द्वारा उसकी जमीन का दो बार सीमांकन कराने के बाद भी जमीन पर कब्जा नही दिलाने संबंधी शिकायतों का निराकरण कराया गया और इन्हें बंद कराया गया।

गांधीवादी नीति पर आजादी की लड़ाई की तरह कांग्रेस को लड़ना होगा लोकतंत्र बचाने के लिये.. - अनुप सिंह बैस

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष और ब्रॉडगेज रेल संघर्ष समिति के अध्यक्ष अनुप सिंह बैस ने कांग्रेस उम्मीदवार मिनाक्षी नटराजन का कूट रचित तौर पर नामांकन रद्द किये जाने पर कहा कि अब कांग्रेस को भाजपा से नहीं बल्कि लोकतंत्र बचाने के लिये ऐसी लड़ाई लड़ना होगा, जैसी कांग्रेस ने अंग्रेजी हुकुमत के खिलाफ लड़ी थी।

मिनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किये जाने पर आक्रामक हुए कांग्रेस नेता अनुप सिंह बैस..

अनुप सिंह बैस ने कहा कि कदम कदम पर भाजपा तानाशाहीपूर्वक लोकतंत्र की हत्या पर आमादा है। इस स्थिति में एक तरफा जनता के साथ लूट जारी है, तो वहीं दूसरी तरफ विपक्ष में तोड़फोड़ करते हुए विरोध की खुलेआम हत्या की जा रही है। यह ऐसी स्थिति है, जैसी अंग्रेजी हुकुमत के दौरान थी। अंग्रेजों के सामने आम आदमी की हैसियत नहीं रह गई थी, और अंग्रेजों के खिलाफ क्रांतिकारी आंदोलन करने पर षडयंत्रपूर्वक अपराधी बनाकर मौत दे दी जाती थी। भगत सिंह जैसे क्रांतीकारीयों को भी अपराधी साबित करने में अंग्रेजों ने कोई कमी नहीं की, जबकि अनेक भगत सिंह तो अपराधी बनाकर मार दिये जाते थे। इस स्थिति में महात्मा गांधी के नेतृत्व में किये गए आंदोलनों के आगे ही अंग्रेज सरकार घुटने टेकने पर मजबूर हो जाती थी, क्योंकि गांधी जी के पीछे पूरा देश एकजुट नजर आता था। अनुप सिंह बैस ने कहा कि ऐसे ही आज कांग्रेस को भी गांधीवादी नीति पर चलते हुए अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए बड़े देशव्यापी आंदोलनों की अलख जगाना होगा, वरना मोदी और शाह के राज में तानाशाही भारत को पाकिस्तान और श्रीलंका से भी बुरे हाल में पहुंचाकर ही मानेगी। श्री बैस ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से आहवान किया कि अब हमें चिंता करना होगा, और आंदोलनों के साथ साथ अब जनजागरण नुक्कड़ सभाओं का आयोजन करके भाजपा सरकार की हकीकत से जनता को परिचित कराने का काम करना होगा। देश की जनता जिस दिन जाग जायेगी, भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकेगी, और जिस दिन भाजपा केन्द्र में सत्ता से बेदखल होगी, उसी दिन से लोकतंत्र का बचाव शुरु होगा।

15 जून को समान नागरिक संहिता के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक

जगप्रेरणा बालाघाट।

मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता के संबंध में गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक का आगामी 15 जून को आयोजन किया गया है। यह बैठक 15 जून 2026 को उच्च स्त रीय समिति के सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्त्ता श्री बुधपाल सिंह की अध्यक्षता में अपरान्ह 04 बजे से सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में आयोजित की जायेगी।

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री मृणाल मीना द्वारा इस बैठक के आयोजन के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाकर उन्हें पृथक-पृथक दायित्व सौंपे गये हैं। बैठक में सांसद, विधायक, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, बार काउंसिल के सदस्य, महिला एवं बाल अधिकार संरक्षण से जुड़े प्रतिनिधि, शांति समिति के सदस्य, सामाजिक संगठनों एवं सभी समुदायों के प्रतिनिधियों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।

धरती आबा बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर

बालाघाट में आदिवासी समाज ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा की उतारी आरती, दी श्रद्धांजलि..

जगप्रेरणा बालाघाट।

जननायक क्रांतिसूर्य, जल-जंगल-जमीन के प्रणेता और आदिवासी अस्मिता के प्रतीक धरती आबा वीर बिरसा मुंडा की 126वीं पुण्यतिथि मंगलवार को बालाघाट नगर के जिला अस्पताल रोड स्थित बिरसा मुंडा चौक में

बिरसा ब्रिगेड, मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद, भीम आर्मी एकता मिशन सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सप्तरंगी ध्वजारोहण से हुई, जिसके बाद उपस्थित जनों ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया और राष्ट्रीय सलामी देकर आदरांजलि अर्पित की तो वहीं आरती भी उतारी।

बोले दिनेश धुर्वे..

इस अवसर पर आदिवासी समाज नेता दिनेश धुर्वे ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को हुआ था और उन्होंने अंग्रेजी शासन के खिलाफ जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अनेक संघर्ष किए। मात्र 25 वर्ष की आयु में 9 जून 1900 को उन्होंने देश और समाज के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके आंदोलन और संघर्षों ने आदिवासी समाज सहित पूरे देश में नई चेतना और जनजागरण का संचार किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बिरसा मुंडा के मिशन, जीवन दर्शन और शहादत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने केवल आदिवासी समाज ही नहीं, बल्कि सभी वर्गों के हक और अधिकारों की लड़ाई लड़ी। उनके आदर्श आज भी समाज को एकजुट होकर अन्याय के खिलाफसंघर्ष करने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देते हैं। बिरसा ब्रिगेड के पदाधिकारी सत्येंद्र इनवाती ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष कर शोषित, वंचित और कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज बुलंद की थी। उन्होंने कहा कि आज एसटी, एससी, ओबीसी, मुस्लिम, सिख सहित विभिन्न समुदायों के लोगों को जो भूमि और अधिकार प्राप्त हैं, उनमें बिरसा मुंडा के संघर्ष का महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित पदाधिकारियों और सामाजिक बंधुओं ने प्रतिमा स्थल पर मोमबत्तियां प्रज्ज्वलित कर दो मिनट का मौन धारण किया तथा बिरसा मुंडा के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, संगठन पदाधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप मे जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

वृक्षारोपण कर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, लिया हरित भविष्य का संकल्प

जगप्रेरणा बालाघाट। अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं ईको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों एवं ईको क्लब के छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े प्रेरक नारों के माध्यम से महाविद्यालय परिसर में जनजागरूकता का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक नीम, अमलतास, बेलपत्र सहित विभिन्न छायादार एवं पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण पौधों का रोपण कर हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया। वृक्षारोपण अभियान में डॉ. भूपेंद्र ब्रम्हे एवं एनएसएस बालक इकाई के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. सुखचंद एड़े ने स्वयंसेवकों के साथ सक्रिय सहभागिता निभाते हुए पौधारोपण किया तथा पौधों की देखरेख एवं संरक्षण का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मानव और प्रकृति का संबंध अटूट है तथा पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से सार्वजनिक स्थानों पर छायादार, मजबूत एवं पौराणिक महत्व वाले वृक्ष लगाने का आह्वान किया। साथ ही ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान से जुड़ते हुए आगामी मानसून सत्र में कम से कम दस पौधे लगाने और उनके संरक्षण का दायित्व निभाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जल, वायु और वन संपदा जैसी प्राकृतिक धरोहरों का संरक्षण प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. ताराचंद बड़घैया, हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. संजय कुमार बिसेन, डॉ. खिलेश्वर ठाकरे, प्रो. आनंद पारधी, प्रो. अरविंद पटले, महाविद्यालय के कर्मचारीगण, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं सतत भविष्य के संकल्प के साथ संपन्न यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना जागृत करने तथा प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने की दिशा में प्रेरणादायी एवं सफ्ल सिद्ध हुआ।

फाल्ट या विभागीय फेलियर? 33 केवी लाइन के नाम पर परसवाड़ा में अघोषित कटौती, जनता त्रस्त

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

परसवाड़ा क्षेत्र में बिजली संकट अब तकनीकी समस्या कम और विभागीय लापरवाही का प्रतीक अधिक बनता जा रहा है। पिछले कई दिनों से बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली कटौती की जा रही है। भीषण गर्मी और उमस के बीच क्षेत्रवासी घंटों बिजली गुल रहने से परेशान हैं,

लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों के पास हर बार वही पुराना जवाब है–33 केवी लाइन में फाल्ट। स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 8 और 9 जून को लगातार दूसरे दिन भी दिनभर अघोषित बिजली कटौती जारी रही।

क्षेत्रवासियों को न तो किसी प्रकार की पूर्व सूचना दी गई और न ही कटौती की अवधि के बारे में बताया गया। परेशान उपभोक्ताओं द्वारा जब बिजली विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया गया तो बताया गया कि एक दिन पहले 33 केवी लाइन में फाल्ट आने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी तथा आज कुछ ही देर में बिजली बहाल कर दी जाएगी।

हैरानी की बात यह रही कि अधिकारियों से चर्चा होने के लगभग पांच मिनट बाद बिजली तो बहाल कर दी गई, लेकिन मात्र पांच मिनट के भीतर ही फिर से गुल हो गई। इसके बाद लंबे समय तक क्षेत्र अंधेरे और गर्मी से जूझता रहा। इस घटना ने विभागीय दावों और व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी है। अब ग्रामीण खुलकर सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर ÷यह मनमानी कब तक चलेगी?÷

हर साल वही कहानी, हर बार वही बहाना

क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह कोई नई समस्या नहीं है। पिछले कई वर्षों से ग्रीष्म ऋतु आते ही बिजली कटौती बढ़ जाती है और विभाग फाल्ट, मेंटेनेंस या तकनीकी खराबी का हवाला देने लगता है। आश्चर्य की बात यह है कि जिन कारणों से हर साल बिजली बाधित होती है, उन्हें दूर करने के लिए कभी कोई दीर्घकालिक योजना धरातल पर दिखाई नहीं देती।

बैहर से परसवाड़ा तक की पुरानी 33 केवी लाइन वर्षों से अपनी क्षमता और उम्र दोनों पूरी कर चुकी है।

जगह-जगह झूलते तार, पेड़ों से उलझती लाइनें और बार-बार आने वाले फाल्ट अब सामान्य बात बन चुके हैं। बावजूद इसके विभाग केवल अस्थायी मरम्मत कर व्यवस्था चलाने में लगा हुआ है।

कलेक्टर की फटकार भी बेअसर

23 मई को सांदीपनि विद्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने क्षेत्र में लगातार बिजली संकट को लेकर विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई थी। बैठक के बाद कुछ दिनों तक व्यवस्था में सुधार दिखा, लेकिन जैसे ही मामला ठंडा पड़ा, विभाग फिर पुराने ढर्रे पर लौट आया। इससे यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या विभागीय अधिकारियों को प्रशासनिक निर्देशों की भी परवाह नहीं है?

बघोली सब स्टेशनः करोड़ों खर्च, राहत शून्य

बघोली सब स्टेशन के निर्माण के समय दावा किया गया था कि इसके बाद परसवाड़ा क्षेत्र की बिजली समस्याएं समाप्त हो जाएंगी। लेकिन हकीकत इसके ठीक उलट है। सब स्टेशन बनने के बाद भी क्षेत्र की निर्भरता उसी जर्जर 33 केवी लाइन पर बनी हुई है। परिणाम यह है कि फाल्ट आते ही पूरा इलाका अंधेरे में डूब जाता है। लोगों के बीच अब यह चर्चा होने लगी है कि जब बिजली संकट खत्म नहीं होना था तो आखिर सब स्टेशन का वास्तविक लाभ किसे मिला?

जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी सवालों के घेरे में

बिजली संकट को लेकर जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता भी लोगों के निशाने पर है। क्षेत्र के लोग सवाल पूछ रहे हैं कि जब जनता घंटों बिजली कटौती झेल रही है, तब उनके चुने हुए प्रतिनिधि आखिर इस मुद्दे पर आवाज क्यों नहीं उठा रहे। वर्षों पुरानी लाइन बदलने, ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने और वैकल्पिक व्यवस्था विकसित करने की मांग लगातार उठ रही है, लेकिन धरातल पर परिणाम नजर नहीं आ रहे।

बारिश आने वाली, तैयारी कहीं नहीं

मानसून सिर पर है। यदि गर्मी के मौसम में ही 33 केवी लाइन बार-बार जवाब दे रही है तो बारिश के दौरान हालात और बिगड़ने की आशंका है। विभाग के पास अभी तक न तो लाइन आधुनिकीकरण की कोई स्पष्ट योजना है और न ही वैकल्पिक विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था। ऐसे में आने वाले महीनों में परसवाड़ा क्षेत्र को और गंभीर बिजली संकट झेलना पड़ सकता है।

अब आंदोलन की तैयारी

लगातार अघोषित कटौती, विभागीय उदासीनता और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी से ग्रामीणों का धैर्य जवाब देने लगा है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही स्थायी समाधान नहीं किया गया तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उनका साफ कहना है कि अब फाल्ट और मेंटेनेंस के बहाने नहीं, बल्कि बिजली व्यवस्था में वास्तविक सुधार चाहिए।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि अधिकारियों के एक फोन पर पांच मिनट के लिए बिजली आ सकती है, तो फिर घंटों और दिनों तक अंधेरे में रखने की मजबूरी क्या है? यह सवाल अब पूरे परसवाड़ा क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि वर्षों से एक ही समस्या के बावजूद जिम्मेदार लोग समाधान की दिशा में आखिर कब कदम उठाएंगे?

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुकर्रा को किया डी फ्रिजर दान..

अजय रजक, जगप्रेरणा गढ़ी।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुकर्रा को रणजीत सिंह बैंस (जनपद उपाध्यक्ष बैहर) के द्वारा उनके पिता स्वर्गीय श्री जीवन सिंह बैंस की स्मृति में एवं आज दिनांक 09 जून उनके पिता जी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में डी फ्रिजर दान किया गया।

इस अवसर में ग्राम एवं क्षेत्र के लोगों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। जिन मूलभूत सुविधाओं से क्षेत्रवासी अभी तक वंचित थे। उन मूलभूत सुविधा में एक सबसे बड़ी समस्या डी फ्रीजर की भी हुआ करती थी। जिसे आज हमारे गढ़ी क्षेत्र के लोगों निजात मिली है। उपाध्यक्ष जी के द्वारा क्षेत्रवासियों को भरोसा दिलाते हुए कहा गया। कि आगे भी हमारे द्वारा क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का ध्यान रखा जाएगा। जिससे कि क्षेत्र के लोगों को इन सभी चीजों के लिए परेशानियों का सामना ना करना पड़े और इसकी भारी कीमत भी ना चुकानी पड़े।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य नागरिक एवं अतिथि गण

इस शुभ अवसर पर उपस्थित गणमान्य नागरिक एवं अतिथि रणजीत सिंह बैस (जनपद उपाध्यक्ष बैहर) श्रीमती विद्या बैंस, (माता जी) श्रीमती आशु राजपूत (बहन) अजीत बैंस (भाई)पुलिस थाना गढ़ी से योगेश कुम्हरे (एस .आई.) नागवेन्द्र पांडे(आरक्षक) अतुल अग्निहोत्री, स्वस्थ विभाग से डॉ स्वपनिल गजभिये, श्रीमती मंजुलता कार्तिके(स्टॉप नर्स)ग्रामीण जन टेकलाल धानेश्वर, अरुण राय, राजेन्द्र देशराज, योगेश धुर्वे, जगदीश यादव, प्रदीप मेरावी, अजीम खान, और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

समय पर जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं करने वाले करदाताओं को विभाग की चेतावनी..

जगप्रेरणा बालाघाट।

वाणिज्यिक कर विभाग ने समय सीमा के भीतर जीएसटी रिटर्न प्रस्तुत नहीं करने वाले करदाताओं को चेतावनी जारी की है। विभाग ने कहा है कि जीएसटी अधिनियम के तहत निर्धारित समय पर रिटर्न दाखिल करना प्रत्येक पंजीकृत

करदाता का वैधानिक दायित्व है, लेकिन अनेक करदाता समय पर रिटर्न प्रस्तुत नहीं कर रहे हैं। विभाग के अनुसार, 5 करोड़ रुपये से अधिक वार्षिक टर्नओवर वाले नियमित मासिक करदाताओं के लिए तस्ज्ञक्र1 रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि प्रत्येक माह की 11 तारीख तथा तस्ज्ञक्र3क्ककी अंतिम तिथि 20 तारीख निर्धारित है। वहीं, 5 करोड़ रुपये से कम टर्नओवर वाले त्रैमासिक करदाताओं के लिए तस्ज्ञक्र1 की अंतिम तिथि 13 तारीख और तस्ज्ञक्र3क्ककी अंतिम तिथि 22 तारीख है।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि रिटर्न दाखिल करने में देरी होने पर नियमानुसार विलंब शुल्क, ब्याज एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है। लगातार रिटर्न प्रस्तुत नहीं करने वाले करदाताओं के विरुद्ध पंजीयन निरस्तीकरण सहित कठोर कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है।

राज्य कर, सहायक आयुक्त, वाणिज्यिक कर बालाघाट वृत्त ने सभी लंबित करदाताओं से अपील की है कि वे अपनी लंबित जीएसटी रिटर्न तत्काल प्रस्तुत करें तथा भविष्य में भी निर्धारित समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि समय पर रिटर्न दाखिल करने से कर प्रणाली में पारदर्शिता और अनुपालन को बढ़ावा मिलता है।

विभाग ने करदाताओं को किसी भी तकनीकी या प्रक्रियागत कठिनाई की स्थिति में राज्य कर, सहायक आयुक्त कार्यालय, बालाघाट वृत्त अथवा जीएसटी सहायता केंद्र से संपर्क करने की सलाह दी है। साथ ही सभी करदाताओं से समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करने में सहयोग की अपेक्षा की गई है।

163 आवेदकों ने दिये समस्याओं से संबंधित आवेदन, जनसुनवाई में समस्याओं का किया गया समाधान..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 09 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी

श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर श्री राहुल नायक एवं श्री एम.आर. कोल तथा एसडीएम श्री गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 163 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।

जनसुनवाई में बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम टवेझरी निवासी नंदकिशोर गराडे संबल योजना की राशि दिलाये जाने की मांग लेकर आए थे। नंदकिशोर का कहना था कि उसकी माता सुकवंती गराडे की मृत्यु 20 मई 2024 को हो चुकी है और उसकी माता का संबल कार्ड भी बना हुआ है। लेकिन अब तक उसे संबल योजना की राशि अब तक प्राप्त नही हुई है, इस प्रकरण में जिला श्रम पदाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

नगरीय क्षेत्र बालाघाट की बूढी निवासी पंचकुला मेश्राम सोसायटी से राशन नही मिलने की शिकायत लेकर आयी थी। पंचकुला मेश्राम का कहना था कि उसे सोसायटी से राशन नही दिया जा रहा है। पंचुकला ने बताया कि उससे सोसायटी वालो ने परिवार के सदस्यों के आधार कार्ड की मांग की थी, जिसे देने के बाद भी उसे राशन प्रदाय नही किया जा रहा है। इस प्रकरण जिला आपूर्ति अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनपद पंचायत वारासिवनी की ग्राम पंचायत थानेगांव के सरपंच लक्ष्मीकांत बैस सार्वजनिक उपयोग की शासकीय भूमि से अवैध कब्जा हटाने की मांग लेकर आए थे। उनका कहना था कि उक्त भूमि पर मल्टी जिम एवं बगीचा निर्माण प्रस्तावित है, लेकिन कुछ लोगों ने झोपड़ी और बाड़ी बनाकर कब्जा कर रखा है। साथ ही कब्जाधारियों ने गलत जानकारी देकर भूमि का पट्टा भी प्राप्त कर लिया है। सरपंच ने मामले की जांच कर कब्जा हटाने और भूमि को ग्राम पंचायत को सौंपने की मांग की है। इस प्रकरण में तहसीलदार वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बिरसा तहसील के ग्राम बलगांव के ग्रामीण बलगांव में नवीन प्राथमिक शाला भवन स्वीकृत किये जाने की मांग लेकर आये थे। ग्रामीणों का कहना था कि बलगांव का प्राथमिक शाला भवन पिछले लगभग 04 वर्षो से जर्जर है। वर्षा ऋतु में भवन में पानी भर जाता है तथा छत से प्लास्टर एवं अन्य निर्माण सामग्री के टुकडे गिरते रहते है, जिससे बच्चों की सुरक्षा पर खतरा बना रहता है। अतः बलगांव में नवीन प्राथमिक शाला भवन स्वीकृत किया जाए। इस प्रकरण में सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बालाघाट तहसील के ग्राम हीरापुर की निवासी सुषमा कठौते अपनी माता सुन्दरकली की मृत्यु उपरांत मुआवजा राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थी। सुषमा कहना था कि 01 मई 2025 को तेज हवा-तूफान के दौरान छत से गिरने के कारण उसकी माता सुन्दरकली की मृत्यु हो गई थी। जिसकी मुआवजा राशि उसे अब तक प्राप्त नही हुई है। इस प्रकरण में तहसीलदार बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

भरवेली के लव्य वराडे उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में कक्षा 11वीं के बॉयोलॉजी विषय में प्रवेश दिलाने की मांग लेकर आये थे। लव्य का कहना था कि उसने कक्षा 10वीं में 75.2 प्रतिशत अंक हासिल किया है और अब विद्यालय में कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए आवेदन करने पर उन्हें बॉयोलॉजी के स्थान पर एग्रीकल्चर विषय आवंटित किया गया है। लव्य ने कहा कि उसकी रुचि बॉयोलॉजी विषय में होने के कारण वे इसी विषय में आगे की पढ़ाई करना चाहते हैं। अतः लव्य को उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में बॉयोलॉजी विषय में प्रवेश दिलाया जाए। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

तहसील कटंगी निवासी अरविंद पशीने अपनी पोती का प्रवेश सांदीपनी विद्यालय कटंगी में कराने की मांग लेकर आये थे। अरविंद का कहना था कि बालिका गार्गी पशीने के माता-पिता का निधन हो चुका है और वह अब अपने दादा के संरक्षण में रह रही है। गार्गी ने पूर्व में उत्कृष्ट विद्यालय बरघाट में अंग्रेजी माध्यम से अध्ययन किया है, लेकिन टीसी के साथ आवेदन करने के बावजूद विद्यालय ने प्रवेश देने से इंकार कर दिया गया। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

बालाघाट जिले के लामता क्षेत्र के ग्राम बटुआ निवासी महेंद्र यादव शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे हटाने की मांग लेकर आये थे। महेंद्र का कहना था कि खसरा क्रमांक 329/1 की भूमि पर कथित रूप से कन्हैयालाल पंचेश्वर ने अतिक्रमण कर रास्ता अवरुद्ध कर दिया है, इससे खेत तक आने-जाने तथा ट्रैक्टर ले जाने में भारी परेशानी हो रही है। कन्हैयालाल द्वारा भूमि पर कब्जा कर उन्हें रास्ते के उपयोग से भी रोका जा रहा है। अतः अतिक्रमण हटाकर उसे उसके खेत तक जाने का मार्ग प्रशस्त किया जाए। इस प्रकरण में लामता तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। जनपद पंचायत बैहर की ग्राम पंचायत कदला की सरपंच श्रीमती लक्ष्मी मेरावी बैगा ग्राम हीरापुर से कदला तक पक्की सडक बनाये जाने की मांग लेकर आयी थी। सरपंच लक्ष्मी मेरावी का कहना था कि ग्राम हीरापुर में बैगा जनजाति के 620 व्यक्ति निवासरत है, जिन्हें निरंतर कच्ची सडक से आवाजाही करना पडता है। इस सडक से आवाजाही करने में बारिश के दिनों में और भी भारी समस्या का सामना करना पडता है, अतः शीघ्र यहॉ पक्की सडक बनाने का कार्य शुरू किया जाए। इस प्रकरण में प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक ईकाई के महाप्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

किरनापुर तहसील के ग्राम नक्शी निवासी रोमेन्द्र मात्रे अपनी भूमि के नक्शा बटांकन एवं रिकॉर्ड दुरुस्ती की मांग लेकर आये थे। रोमेन्द्र मात्रे ने बताया कि उनकी भूमि प.ह.न. 57, खसरा नंबर 57, रकबा 0.02 हेक्टेयर, ग्राम नक्शी में स्थित है। उनकी भूमि का बंटवारा 20 मार्च 2025 को किया जा चुका है, लेकिन अब तक उक्त भूमि का नक्शा बटांकन एवं सीमांकन रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया गया है। अतः शीघ्र भूमि का नक्शा बटांकन एवं सीमांकन का कार्य पूर्ण कराया जाए। इस प्रकरण में किरनापुर तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

सरस्वती नगर बालाघाट के सेवानिवृत्त कर्मचारी बी आर पटले लंबित वेतन भुगतान की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि वह जनपद पंचायत बालाघाट से 30 अप्रैल 2014 को सेवानिवृत्त हो चुके है। किंतु उन्हे माह अप्रैल 2014 का एक माह का वेतन अभी तक भुगतान नही किया गया है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

ग्रीष्मकालीन अवकाश में भी बच्चों और माताओं को मिलेगा पोषण आहार

बैहर परियोजना में रेडी-टू-ईट वितरण जारी

जगप्रेरणा बैहर।

संचालनालय महिला एवं बाल विकास, भोपाल के निर्देशानुसार बाल विकास परियोजना बैहर अंतर्गत संचालित सभी 284 आंगनवाड़ी केन्द्रों में ग्रीष्मकालीन

अवकाश अवधि 01 जून से 15 जून 2026 तक हितग्राहियों को पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत आंगनवाड़ी केन्द्रों में दर्ज 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को नाश्ता एवं भोजन के स्थान पर 12 दिवस का पूरक पोषण आहार प्रदान किया जा रहा है।

वहीं 6 माह से 3 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को प्रत्येक मंगलवार को दिए जाने वाले नाश्ता एवं गर्म पके भोजन के स्थान पर 2 दिवस का रेडी-टू-ईट आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। सी प्रकार गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को भी मंगलवार के दिन दिए जाने वाले गर्म पके भोजन के स्थान पर 2 दिवस हेतु पूरक पोषण आहार वितरित किया जा रहा है। साथ ही 6 माह से 5 वर्ष आयु वर्ग के अति गंभीर कुपोषित बच्चों को थर्ड मील के स्थान पर रेडी-टू-ईट आहार का वितरण किया जा रहा है। यह वितरण स्थानीय स्व-सहायता समूहों के माध्यम से किया जा रहा है, ताकि अवकाश अवधि के दौरान भी बच्चों एवं महिलाओं के पोषण स्तर को बनाए रखा जा सके। बाल विकास परियोजना अधिकारी बैहर रामनाथ धुर्वे ने बताया कि शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों में नियमित रूप से रेडी-टू-ईट पूरक पोषण आहार का प्रदाय किया जा रहा है, जिससे हितग्राहियों को अवकाश अवधि में भी पोषण संबंधी सुविधाओं का लाभ मिल सके।

सोने, चांदी व हीरे जड़ित आभूषणों के निर्माता व विक्रेता
शुद्धता और विश्वास की अनूठी परंपरा
गणपति ज्वेलर्स
महावीर चौक, मेन रोड, बालाघाट मो. 9893129013

जग प्रेरणा
वारासिवनी कटंगी
● कायदी ● डोंगरमाली ● रामपायली ● खैरलांजी ● तिरोड़ी ● बोनकट्टा ● महकेपार

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
पिंटू गुप्ता तिरोड़ी
मो. 8770664297

कटंगी में इंजी. प्रशांत भाऊ मेश्राम के नए उपक्रम..

सोनालिका डीलर काव्या ट्रैक्टर्स के नवीन शोरुम का शुभारंभ आज..

जोनल हेड अखिलेश शाह के विशेष आतिथ्य में होगा उद्घाटन..

जगप्रेरणा कटंगी।

क्षेत्र के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात के रूप में क्षेत्र के यूवा नेता इंजी. प्रशांत भाऊ मेश्राम के नए उपक्रम सोनालिका ट्रैक्टर्स डीलरशीप काव्या ट्रैक्टर्स के नए शोरुम का आज 10 जून 2026, बुधवार को भव्य समारोहपूर्वक शुभारंभ किया जाएगा।

यह नया शोरूम कटंगी, वारासिवनी, लालबर्रा, खैरलांजी एवं तिरोड़ी क्षेत्र के किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों एवं बेहतर सेवाओं की सुविधा प्रदान करेगा।

काव्या ट्रैक्टर्स द्वारा आयोजित इस शुभारंभ समारोह में क्षेत्र के किसानों, जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 3:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक किया जाएगा। नवीन प्रतिष्ठान का शुभारंभ सोनालिका के मध्यप्रदेश जोनल हेड अखिलेश शाह के विशेष आतिथ्य में रत्नमाला पेट्रोल पंप के सामने, उमरी (कटंगी) स्थित शोरूम में होगा।

आयोजकों ने बताया कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण ट्रैक्टर, कृषि उपकरण एवं उत्कृष्ट बिक्री पश्चात सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस नए केंद्र की स्थापना की गई है। काव्या ट्रैक्टर्स के संचालक इंजी. प्रशांत भाऊ मेश्राम ने क्षेत्रवासियों एवं किसानों से समारोह में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने की अपील की है। अधिक जानकारी के लिये काव्या ट्रेक्टर्स से मो. 9893780066, 8319974105 पर संपर्क किया जा सकता है।

तेंदुआ का गांव में प्रवेश रोकने को ग्रामीण रात में फोड़ रहे पटाखे

जगप्रेरणा कटंगी।

दक्षिण वन मंडल बालाघाट के वन परिक्षेत्र कटंगी अंतर्गत ग्राम टेकाड़ी के नहरटोला में पिछले एक माह से तेंदुआ का आतंक बना हुआ है। रात होते ही तेंदुआ जंगल से लगे पहाड़ी नाले के रास्ते गांव में घुसकर मवेशियों पर हमला कर रहा है।

बीते दिनों बकरी और पालतू कुत्ते पर हमले के बाद ग्रामीणों में दहशत है। लेकिन वन विभाग पिंजरा लगाने की जगह सिर्फ पटाखे फोड़ने की सलाह देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार तेंदुआ छह माह से गांव के आसपास विचरण कर रहा है। ग्राम निवासी बसंत परते ने बताया कि रात करीब 10 बजे घर के बाड़े में बंधी बकरी पर तेंदुए ने हमला कर उसे मार डाला। शोर सुनकर गांव वाले लाठी लेकर निकले तो तेंदुआ शिकार छोड़कर भाग गया। इसी तरह एक अन्य ग्रामीण पटले के कुत्ते पर भी तेंदुए ने हमला किया था। एक माह में कई बार तेंदुए के गांव में घुसने की घटनाएं हो चुकी हैं। इसके बावजूद वन विभाग ने अब तक पिंजरा नहीं लगाया है।

विभाग की नाकामी, ग्रामीणों पर बोझः वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चढ़ार का कहना है कि नहरटोला जंगल से सिर्फ 40 मीटर दूर है, इसलिए तेंदुए का आना स्वाभाविक है। उनका समाधानः रात में पटाखे फोड़ो, मवेशी घर के अंदर बांधो और टॉर्च लेकर निकलो। सवाल यह है कि क्या पटाखे फोड़ना ही वन विभाग की पूरी तैयारी है? तेंदुआ जंगली जानवर है, वह पटाखे से कुछ दिन डर जाएगा, लेकिन भूख लगने पर फिर लौटेगा। पिंजरा लगाने, ट्रैप कैमरा लगाने या रेस्क्यू टीम भेजने जैसी बुनियादी कार्रवाई कब होगी? कटंगी तिरोड़ी का जंगल सिवनी पेंच और महाराष्ट्र के जंगलों से जुड़ा है। यहां तेंदुआ, बाघ, भालू का मूवमेंट आम है। लेकिन इसी बहाने हर बार ग्रामीणों को डर के साए में जीने को मजबूर करना कहां तक सही है। जंगल से सटे गांवों की सुरक्षा वन विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यदि गांव जंगल के इतने पास है तो वहां स्थायी निगरानी, अलर्ट सिस्टम और त्वरित रेस्क्यू की व्यवस्था क्यों नहीं है? दहशत में जी रहे ग्रामीण अब पटाखे से संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि पटाखा अस्थायी जुगाड़ है, समाधान नहीं। जब तक तेंदुआ पकड़कर जंगल में नहीं छोड़ा जाएगा, तब तक बच्चे, महिलाएं और मवेशी असुरक्षित रहेंगे। ग्रामीणों ने मांग की है कि वन विभाग तुरंत पिंजरा लगाए, प्रभावित परिवारों को मुआवजा दे और रात में गश्त बढ़ाए।

फिलहाल विभाग ने सिर्फ कागजी गश्त बढ़ाने की बात कही है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि तेंदुआ अब भी गांव की सीमा पर मंडरा रहा है और ग्रामीण हर रात दहशत में पटाखे फोड़कर सो रहे हैं।

21वीं सदी में भी वन्यजीवों से सुरक्षा के लिए ग्रामीणों को खुद पटाखे फोड़ने पड़ रहे हैं। वन विभाग वेतन लेता है, गाड़ियां चलती हैं, लेकिन पिंजरा लगाने जैसी बुनियादी कार्रवाई नहीं होती। यदि कल को कोई इंसान तेंदुए का शिकार बन गया तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? प्रशासन को अब बयानबाजी छोड़कर ठोस कदम उठाने होंगे, वरना ग्रामीणों का गुस्सा फूटेगा और आंदोलन तय है।

पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना दे रही युवाओं के सपनों को नई उड़ान..

जगप्रेरणा बालाघाट।

उच्च शिक्षा प्राप्त कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का सपना देखने वाले प्रदेश के युवाओं के लिए मध्यप्रदेश शासन की पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हो रही है।

राज्य शासन के पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित यह योजना प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विश्व के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। योजना का उद्देश्य आर्थिक संसाधनों के अभाव में विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रहने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें वैश्विक स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से प्रदेश के पिछड़ा वर्ग के युवा पोस्ट ग्रेजुएशन, पीएचडी एवं शोध कार्य जैसे उच्च अध्ययन कार्यक्रमों में भाग लेकर अपने करियर को नई दिशा दे सकते हैं।

योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों की विदेश में अध्ययन हेतु लगने वाली ट्यूशन फीस का संपूर्ण भुगतान राज्य शासन द्वारा किया जाता है। इसके अलावा विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान आने वाले अन्य आवश्यक खर्चों के लिए भी व्यापक आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इसमें निर्वाह भत्ता (लिविंग अलाउंस), आकस्मिक व्यय, स्वास्थ्य बीमा, वीज़ा शुल्क तथा विदेश आने-जाने के लिए इकोनॉमी क्लास हवाई यात्रा का खर्च भी शामिल है। इससे विद्यार्थियों को आर्थिक चिंताओं से मुक्त होकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलता है। इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है तथा वह पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर) श्रेणी से संबंधित होना चाहिए। आवेदक ने अपनी पिछली परीक्षा प्रथम श्रेणी में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो। आवेदन के समय विद्यार्थी की आयु 35 वर्ष से कम होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी को विदेश के किसी मान्यता प्राप्त एवं प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय या संस्थान में प्रवेश प्राप्त होना अनिवार्य है।

पिछड़ा वर्ग विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना न केवल आर्थिक सहायता प्रदान करती है, बल्कि प्रदेश के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक वातावरण में सीखने, शोध करने और अपने कौशल का विकास करने का अवसर भी उपलब्ध कराती है। यह योजना प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के सपनों को साकार करने के साथ-साथ प्रदेश की मानव संसाधन क्षमता को भी सशक्त बना रही है। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने पात्र विद्यार्थियों से अपील की है कि वे इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ उठाकर विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के अपने सपनों को नई उड़ान दें और देश-प्रदेश का नाम रोशन करें।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के विशेष शिविर का सीएमएचओ ने किया निरीक्षण..

जगप्रेरणा वारासिवनी।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (क्करूस्रू) के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिलेभर में आयोजित विशेष शिविरों का मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने सघन निरीक्षण किया। इसी क्रम में उन्होंने सिविल अस्पताल वारासिवनी पहुंचकर गर्भवती महिलाओं को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान बीएमओ वारासिवनी डॉ. सत्यम शर्मा, बीपीएम श्री संजय तुरकर सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। डॉ. उपलप ने शिविर में पहुंची गर्भवती महिलाओं से छेड़छाड़ चर्चा कर उनकी स्वास्थ्य जांच, उपचार एवं उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश भी दिए। वारासिवनी सिविल अस्पताल में आयोजित विशेष शिविर में लगभग 110 गर्भवती महिलाओं का पंजीयन किया गया। सभी महिलाओं की आवश्यक स्वास्थ्य जांचें प्रयोगशाला में कराई गईं तथा उच्च जोखिम (हाई रिस्क) वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उनके विशेष उपचार एवं नियमित निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि जिले के सभी शिविरों में महिला चिकित्सा अधिकारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है, ताकि गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने बताया कि जिले के 38 स्वास्थ्य संस्थानों में एक साथ विशेष शिविर आयोजित किए गए, जहां गर्भवती महिलाओं की जांच, परामर्श एवं आवश्यक उपचार की सुविधाएं प्रदान की गईं।

डॉ. उपलप ने कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य जांच एवं विशेषज्ञ परामर्श उपलब्ध कराकर सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देना है। अभियान के तहत उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की समय रहते पहचान कर मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना से युवाओं को मिलेगा स्वरोजगार का सुनहरा अवसर..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन द्वारा ÷मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना÷ संचालित की जा रही है। यह योजना उन युवाओं के लिए विशेष रूप से लाभकारी है,

जो अपना स्वयं का उद्योग, सेवा प्रतिष्ठान या व्यवसाय स्थापित कर आर्थिक रूप से सशक्त बनना चाहते हैं। योजना के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को बैंकों के जरिए आसान ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वे अपने उद्यम की शुरुआत कर सकें।

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक सुश्री प्रीति मर्सकोले ने बताया कि मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का संचालन पूरी तरह ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है। इच्छुक आवेदक एमपी ऑनलाइन पोर्टल के जरिए आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत उद्योग क्षेत्र में नया उद्यम स्थापित करने के लिए 50 हजार रुपये से 50 लाख रुपये तक की परियोजना लागत पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है। वहीं सेवा एवं खुदरा व्यवसाय क्षेत्र के लिए 50 हजार रुपये से 25 लाख रुपये तक की परियोजना लागत निर्धारित की गई है। इससे छोटे एवं मध्यम स्तर के उद्यम स्थापित करने के इच्छुक युवाओं को पर्याप्त वित्तीय सहायता मिल सकेगी।

महाप्रबंधक सुश्री मर्सकोले ने बताया कि योजना का लाभ केवल नवीन उद्योग, सेवा या व्यवसाय की स्थापना के लिए दिया जाएगा। योजना के तहत स्वीकृत ऋण पर शासन द्वारा 7 वर्षों तक प्रतिवर्ष 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान प्रदान किया जाएगा, जिससे ऋण का वित्तीय भार कम होगा और उद्यमियों को व्यवसाय स्थापित करने में सहायता मिलेगी। योजना के लिए 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे युवक-युवतियां आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने न्यूनतम आठवीं कक्षा उत्तीर्ण की हो। शासन का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाना है। योजना के माध्यम से स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र ने जिले के पात्र एवं इच्छुक युवाओं से योजना का लाभ लेने की अपील की है। आवेदक आवश्यक दस्तावेजों सहित एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीयन कर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। योजना संबंधी विस्तृत जानकारी जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र कार्यालय तथा संबंधित ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना प्रदेश के युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो उन्हें अपने सपनों को साकार करने और आर्थिक रूप से मजबूत बनने का अवसर प्रदान कर रही है। शासन की यह पहल युवाओं को उद्यमिता की ओर अग्रसर कर प्रदेश के विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

खेत बचाओ अभियान के तहत बगदरा में किसानों को अरहर बीज वितरित..

डीएसआर एवं पराली प्रबंधन की दी जानकारी

जगप्रेरणा बालाघाट।

कृषि विभाग द्वारा संचालित खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत बालाघाट विकासखंड के ग्राम बगदरा में कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों की जानकारी प्रदान करते हुए अरहर बीज का वितरण किया।

उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि ग्राम बगदरा में कार्यक्रम के दौरान कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा किसानों को धान की डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) पद्धति के लाभ एवं इसकी वैज्ञानिक तकनीक के बारे में विस्तार से बताया गया। किसानों को जानकारी दी गई कि डीएसआर विधि से धान की खेती में पानी, श्रम एवं उत्पादन लागत में कमी आती है, जिससे खेती अधिक लाभकारी बनती है। चौपाल के दौरान किसानों को पराली प्रबंधन के महत्व से अवगत कराया गया तथा फसल अवशेषों को जलाने के बजाय उनके वैज्ञानिक उपयोग की सलाह दी गई। अधिकारियों ने बताया कि पराली को खेत में मिलाने से भूमि की उर्वरता बढ़ती है और पर्यावरण संरक्षण में भी सहायता मिलती है।

इसके साथ ही किसानों को हरी खाद के उपयोग, मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने के उपायों तथा विभिन्न कृषि योजनाओं एवं खरीफ फसलों के संबंध में भी जानकारी दी गई। कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने और उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में पात्र किसानों को अरहर बीज का वितरण किया गया, जिससे वे दलहन उत्पादन को बढ़ावा दे सकें। साथ ही किसानों का एमपी किसान एप पर पंजीयन भी कराया गया, ताकि उन्हें विभागीय योजनाओं, अनुदान एवं कृषि संबंधी सेवाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके।

किसानों ने कृषि विभाग की इस पहल का स्वागत करते हुए इसे खेती को अधिक लाभकारी और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे आधुनिक तकनीकों एवं विभागीय योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आय में वृद्धि करें तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाएं।

बी.एस-सी. (नर्सिंग)
योग्यता : 12वी उत्तीर्ण (जीव-विज्ञान)+ पी.एन.एस.टी ● 4 वर्षीय पाठ्यक्रम
www.gracious.in
प्रवेश प्रारंभ 2025-26
डीएमई पोर्टल में ऑनलाईन पंजीयन
22 से 30 सितम्बर 2025
च्वाईस फिलिंग करने की तिथि
02 से 07 अक्टूबर 2025
मान्यता
✦ मध्यप्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल, भोपाल।
✦ चिकित्सा शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन भोपाल।
✦ म.प्र. आयुर्वि.वि.वि. जबलपुर (म.प्र.)।
SC, ST, OBC वर्ग के विद्यार्थियों को म.प्र. शासन के नियमानुसार छात्रवृत्ति
क्लीनिकल प्रशिक्षण : शासकीय जिला चिकित्सालय, बालाघाट
ग्रेसियस कॉलेज ऑफ नर्सिंग
आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, बरबसपुर, वारासिवनी रोड, जिला बालाघाट
73820 53000, 73820 54000, 94073 12986

उत्कृष्टता एवम् गुणवत्ता के 23 वर्ष...
सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेदा
SUSHRUT PROCTO AYURVEDA GONDIA SINCE 2003
मुळव्याध (बवासीर), फिशर भगंदर व अन्य गुदारोग चिकित्सा व संशोधन केन्द्र
● मुळव्याध (बवासीर) ● भगंदर (नासुर)
● फिशर ● कड निकलना व अन्य गुदारोग
अत्याधुनिक लेजर, व्हेसल सिलर, क्षारसुत्र व आयुर्वेद द्वारा गुदा रोगों की दर्दरहित सफल चिकित्सा
जटिल भगंदर के इलाज में विशेष प्राविण्यता
डॉ. कमलापती खोब्रागडे
BAMS, M.S. (Ayu.) CCKS (Guj)
बवासीर, भगंदर व गुदारोग तज्ञ
मो. 98230 21274, 93098 53003
साकेत पब्लिक स्कुल रोड़, गणेश नगर, गोंदिया 07182-796738

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

संजय टेंभरे लांजी
मो. 7697505999

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - 9329033433

लेडेझरी में 'हमारी दिशा, हमारे कदम' अभियान का आगाज, ग्रामीणों ने स्वच्छता और स्वास्थ्य का लिया संकल्प..

जगप्रेरणा बालाघाट।

स्वास्थ्य जागरूकता और संक्रामक रोगों की रोकथाम को लेकर ग्राम पंचायत लेडेझरी में विशेष अभियान 'हमारी दिशा, हमारे कदम' का शुभारंभ किया गया।

स्थानीय यशपाल स्वास्थ्य शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान बालाघाट द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, स्वास्थ्य सुरक्षा और रोगों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।

कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम पंचायत लेडेझरी की सरपंच श्रीमती संध्या संजय बिसेन के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि संक्रामक रोगों से बचाव के लिए व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने वर्षा ऋतु के दौरान फैलने वाली बीमारियों से बचाव, स्वच्छ पेयजल के उपयोग, घरों एवं सार्वजनिक स्थानों के आसपास पानी जमा न होने देने तथा नियमित साफ-सफाई बनाए रखने के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी।

संस्था के सचिव एवं निदेशक डॉ. के.के. गौतम के मार्गदर्शन में संचालित यह अभियान पूर्व में मोहगांव, छटेरा, कनकी और माजनापुर ग्राम पंचायतों में सफलतापूर्वक आयोजित किया जा चुका है।

संस्था के अध्यक्ष डॉ. टी.पी. टेम्भरे ने बताया कि अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाते हुए रोगमुक्त और स्वच्छ गांव के निर्माण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। लेडेझरी में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों ने भाग लेते हुए स्वच्छता बनाए रखने तथा संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर पूर्व सरपंच संजय बिसेन, उपसरपंच प्रकाश कुशराम, बाबूलाल भगत जनपद सदस्य, पंच रामराज बारवा, निरंजन बिसेन, अनिता बिसेन, पंचायत कर्मी रामचंद बिसेन, बालचंद बिसेन, योगेश चौहान, राजा चौहान सहित अभियान दल के अनिल उइके एवं धनंजय सोनेकर उपस्थित रहे।

श्रावण मास में होगा पार्थिव शिवलिंग का निर्माण अभिषेक

30 चिन्हित गांवों में होगा अखंड रामायण पाठ..

जगप्रेरणा लांजी।

आगामी 30 जुलाई से पवित्र श्रावण मास आरंभ हो रहा है जहां श्रावण मास पर सुप्रसिद्ध कोटेश्वर धाम में अनेकों धार्मिक आयोजन संपन्न किये जाते है।

वही विगत वर्ष एकल संच अभियान अंचल बालाघाट के संच लांजी द्वारा कोटेश्वर धाम में श्री अखण्ड रामायण पाठ का 30 दिवसीय वृहद आयोजन करवाया गया था। जो कि 24 घंटे 30 दिनो तक यह अखण्ड रामायण पाठ सतत जारी रहा। इसी कड़ी में इस वर्ष भी श्रावण मास के पावन अवसर पर श्री अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन किया जाना संच लांजी के द्वारा सुनिश्चित किया गया है।

जिसको लेकर 8 जून को कोटेश्वर धाम में एकल संच लांजी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि लांजी क्षेत्र के 30 चिन्हित ग्रामों के प्रत्येक दिन अलग अलग ग्राम में संगीतमय श्री अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन किया जायेगा।

इसके लिये ग्रामों का चयन कर प्रत्येक ग्रामों में श्री अखण्ड रामायण पाठ संपन्न कराने के लिये ग्राम टोली का चयन किया जायेगा। श्री अखण्ड रामायण पाठ के संबध में यह भी बताया गया कि जिस दिन ग्राम में रामायण पाठ का आयोजन होगा दुसरे दिन समापन के पूर्व दुसरे चिन्हित ग्राम में पाठ प्रारंभ किया जायेगा।

ग्रामों में होगा परिवार संपर्क अभियान..

एकल संच के द्वारा जहां सभी चिन्हित ग्रामों में श्री अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन संपन्न होगा वही इन ग्रामों में परिवार संपर्क अभियान भी चलाया जायेगा। जहां शिक्षा, स्वास्थ्य, योग सहित अन्य धार्मिक आयोजन हेतु संपर्क किया जायेगा। इस प्रमुख रूप से ग्राम में स्वास्थ्य शिविर, योग शिविर, शिक्षा से संबधित शिविरों का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया गया है।

कोटेश्वर में पार्थिव शिवलिंग का निर्माण, संध्या काल में रूद्राभिषेक

वहीं इस संपूर्ण कार्यक्रम के तहत कोटेश्वर धाम में श्रावण मास के पावन अवसर पर प्रतिदिन पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया जायेगा, धाम परिसर में संगीतमय ओम नमः शिवाय का जाप तथा संध्या काल में रूद्राभिषेक का आयोजन प्रतिदिन किया जायेगा। इसके पश्चात प्रसादी वितरण का भी आयोजन सतत जारी रहेगा। इस दौरान एकल अभियान संच लांजी के सभी पदाधिकारी, सदस्य, तथा क्षेत्र के सामाजिक एवं धार्मिक संगठनो के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि तथा ग्राम के गणमान्य जनों की उपस्थिती में सम्पूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

जनसुनवाई में सुनी गई आवेदकों की समस्याएँ

163 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए..

प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 09 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का हुआ आयोजन..

जगप्रेरणा किरनापुर।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ अपर कलेक्टर जी.एस. धुर्वे, डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर श्री राहुल नायक एवं

एम.आर. कोल तथा एसडीएम गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 163 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।

किरनापुर तहसील के ग्राम नक्शी निवासी रोमेन्द्र मात्रे अपनी भूमि के नक्शा बटांकन एवं रिकॉर्ड दुरुस्ती की मांग लेकर आये थे। रोमेन्द्र मात्रे ने बताया कि उनकी भूमि प.ह.न. 57, खसरा नंबर 57, रकबा 0.02 हेक्टेयर, ग्राम नक्शी में स्थित है। उनकी भूमि का बंटवारा 20 मार्च 2025 को किया जा चुका है, लेकिन अब तक उक्त भूमि का नक्शा बटांकन एवं सीमांकन रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया गया है।

अतः शीघ्र भूमि का नक्शा बटांकन एवं सीमांकन का कार्य पूर्ण कराया जाए। इस प्रकरण में किरनापुर तहसीलदार को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के निर्माण कार्यों में भारी अनियमितता का आरोप..

उच्च स्तरीय जांच एवं करे कार्यवाही - दिनेश लाड़े..

जगप्रेरणा लाँजी।

जनपद पंचायत लाँजी की निर्माण समिति के सभापति दिनेश लाडे ने प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना के अंतर्गत चल रहे सडक़ एवं पुलिया निर्माण कार्यों में व्यापक अनियमितता और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में निर्माण कार्यों में गुणवत्ता मानकों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है तथा अधिकारियों की मिलीभगत से घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। दिनेश लाडे ने बताया कि निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सडक़ों के निर्माण में मुरुम के स्थान पर मिट्टी का उपयोग किया जा रहा है तथा गिट्टी भी धूलयुक्त एवं निम्न गुणवत्ता की डाली जा रही है। वहीं डामरीकरण कार्य में डामर की मात्रा एवं गुणवत्ता दोनों ही मानकों के अनुरूप नहीं है। कई स्थानों पर उपयोग किया गया डामर जला हुआ प्रतीत हो रहा है, जिसके कारण निर्माण के तुरंत बाद ही सडक़ उखडऩे लगी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री सडक़ योजना के सहायक प्रबंधक द्वारा इन गंभीर कमियों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है और संबंधित निर्माण कार्यों का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी विभिन्न विवादों में रहे हैं तथा उनकी कार्यशैली को लेकर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा भी पत्र लिखकर शिकायतें की जा चुकी हैं। लाडे ने बताया कि वर्तमान सांसद भारती पारधी एवं लाँजी विधायक राजकुमार कराहे द्वारा भी मंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की गई थी, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने मांग की कि वर्तमान में चल रहे निर्माण कार्यों की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराई जाए।

उन्होंने विशेष रूप से कांद्रीकला-कट्टीपार सडक़ निर्माण, सितापाला-धीरी मुरुम सडक़ निर्माण, हरादेही-केरादेही सडक़ निर्माण तथा लोढ़ामा-टांटिधार सडक़ निर्माण कार्यों की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि इन कार्यों में पुलिया निर्माण सामग्री एवं सडक़ निर्माण की गुणवत्ता की जांच से वास्तविक स्थिति सामने आ जाएगी।

दिनेश लाडे ने यह भी कहा कि बारिश का मौसम शुरू होने वाला है, जबकि कई निर्माण कार्य अब तक अधूरे हैं। जानकारी के अनुसार पूर्व में कुछ कार्यों में अनियमितता पाए जाने पर एनसीआर (नॉन-कम्प्लायंस रिपोर्ट) भी जारी की गई थी, लेकिन उसके बावजूद भुगतान कर दिया गया, जो अधिकारियों एवं ठेकेदारों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

उन्होंने कहा कि जिन वन ग्रामों में आजादी के दशकों बाद सडक़ निर्माण हो रहा है, वहां यदि घटिया निर्माण होगा तो ग्रामीणों को पुनः पुरानी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। इसलिए प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना के अंतर्गत लाँजी ब्लॉक में चल रहे सभी निर्माण कार्यों की जांच मुख्य अभियंता एवं प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना के नेशनल क्वालिटी मॉनिटर की संयुक्त टीम से कराई जानी चाहिए।

निर्माण समिति के सभापति ने दोषी अधिकारियों एवं ठेकेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण सडक़ एवं पुलिया निर्माण सुनिश्चित करने की मांग की है। वहीं इस मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और स्थानीय नागरिक भी निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

खेत में मृत अवस्था में मिला भरतलाल का शव, खबर लगते ही आस-पास फैली सनसनी

जगप्रेरणा लांजी।

लांजी पुलिस अनुभाग के बहेला थाना अन्तर्गत ग्राम गोर्रे में उस वक्त सनसनी फैलगई जब ग्राम के ही निवासी भरतलाल पिता सोभेलाल ढेकवारे उम्र 58 वर्ष का शव ग्राम गोर्रे डोंगरगांव मार्ग से लगे अपने खेत में मृत अवस्था में पाया गया।

शव के संबध में मृतक के पुत्र शैलेष ढेकवारे ने बताया कि 8 जून को दोपहर 3:30 बजे खेत में काटो और पैरा जलाने के लिये गया था। शाम 4 बजे करीब खेत में किन्ही और बबलू के पेड़ के पास मेरे पिताजी भरतलाल ढेकवारे मृत अवस्था में पडे दिखाई दिये। पुलिस को सूचना उपरांत बहेला पुलिस मौका स्थल पर पंहुचकर मर्ग पंचनामा कार्यवाही पूर्ण कर शव को पीएम हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बहेला ले जाया गया जहां 9 जून को सुबह 10 बजे पीएम के पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया गया।

घटना को लेकर अनेको जन चर्चा, वहीं परिजनो ने जताया शक संदेह

बहेला थाना अन्तर्गत घटित इस घटना के संबध में अनेको जन चर्चाये व्याप्त हो रही है ग्राम में यह संदेह जताया जा रहा है कि भरतलाल ढेकवारे की हत्या की गई है। वहीं कुछ लोगो के स्वाभाविक मृत्य के संबध में कहा जा रहा है कि शरीर में किसी तरह के चोट के कोई निशान मौजूद नही है, भीषण गर्मी का मौसम है हो सकता कि किसी बिमारी, शुगर बीपी की समस्या होने के चलते भी इस प्रकार की घटनाऐं होना स्वाभाविक है।

वहीं परिजनों ने इस घटना को लेकर शक संदेह जताया है। बहरहाल यह संपूर्ण मामला पुलिस मर्ग इंटीमेशन के तहत जांच में लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पश्चात सभी तथ्यो के आधार पर पुलिस अग्रिम कार्यवाही करेगी। पुलिस ने संपूर्ण मामला जांच में लिया हुआ है।

डीलचंद तिड़के पंचतत्व में विलीन..

जगप्रेरणा लांजी।

नगर के बालाघाट रोड़ हाऊबाग निवासी डीलचंद तिड़के का बिमारी के चलते 70 वर्ष की आयु में 9 जून को रात्रि 12.15 बजे निधन हो गया।

इनका अंतिम संस्कार मंगलवार 9 जून को दोपहर 1 बजे कोटेश्वर मोक्षधाम में किया गया। आप अपने पीछे दो पुत्र दीनदयाल तिड़के, विकास तिड़के व दो पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। इनकी अंतिम यात्रा में परिजन, नाते रिश्तेदार व इष्टमित्रों ने शामिल होकर अंतिम बिदाई दी एवं श्रद्धांजलि अर्पित की।

ओमकार ठाकरे पंचतत्व में विलीन

जगप्रेरणा लांजी।

क्षेत्र के ग्राम देवलगांव निवासी ओमकार ठाकरे पिता स्वर्गीय हेमराज ठाकरे का 60 वर्ष की आयु में 09 जून की सुबह लगभग 7 बजे निधन हो गया।

दिवंगत ओमकार ठाकरे का अंतिम संस्कार मंगलवार 09 जून को दोपहर 1 बजे ग्राम देवलगांव स्थित मोक्षधाम में किया गया, जहां परिजनों, रिश्तेदारों, इष्टमित्रों एवं ग्रामीणों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

ओमकार ठाकरे अपने पीछे दो पुत्र, एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, ग्रामीणजन, रिश्तेदार एवं शुभचिंतक शामिल हुए। उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व और सामाजिक व्यवहार को याद किया।

दैनिक जगप्रेरणा मे समाचार एवं विज्ञापनो के लिये संपर्क करे. मो. 9329033433

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 93290-33433

जग प्रेरणा

साहित्य / अभिव्यक्ति

● संपादकीय ● लेख ● कविता ● व्यंग्य ● राजनीतिक टिप्पणी ● धार्मिक लेख ● सामाजिक लेख

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 94070 33433

साइबर अपराध व आईटी एक्ट के प्रमुख प्रावधान

साइबर अपराध जो कंप्यूटर, नेटवर्क या अन्य डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके की जाने वाली असंख्य आपराधिक गतिविधियों का वर्णन करता है। मुख्यतः साइबर अपराध को साइबर अपराधियों द्वारा की जाने वाली अवैध गतिविधियों के रूप में समझा जा सकता है। इनमें हैकिंग, फ़िशिंग, पहचान की चोरी , रैंसमवेयर और मैलवेयर हमले आदि शामिल हैं।साइबर अपराध की पहुंच किसी भी भौगोलिक सीमा तक सीमित नहीं है। अपराधी, पीड़ित और तकनीकी ढांचा पूरी दुनिया में फैले हुए हैं। व्यक्तिगत और व्यावसायिक स्तर पर सुरक्षा खामियों का फायदा उठाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग से साइबर अपराध कई रूप ले लेता है और लगातार विकसित होता रहता है। परिणामस्वरूप, साइबर अपराधों की प्रभावी ढंग से जांच, अभियोजन और रोकथाम करना एक निरंतर चलने वाला संघर्ष है जिसमें कई गतिशील चुनौतियां शामिल हैं। साइबर अपराध व्यक्तियों, व्यवसायों और सरकारी संस्थाओं के लिए एक गंभीर खतरा है और इसके परिणामस्वरूप भारी वित्तीय हानि, प्रतिष्ठा को नुकसान और रिकॉर्ड का उल्लंघन हो सकता है। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी आगे बढ़ रही है और अधिक से अधिक लोग दैनिक कार्यों के लिए डिजिटल उपकरणों और नेटवर्क पर निर्भर हो रहे हैं, साइबर अपराध का खतरा लगातार बढ़ रहा है, जिससे इससे बचाव के उपाय करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। सरकारी साइबर अपराध के उदाहरणों में सरकारी नेटवर्क पर दुर्भावनापूर्ण सॉफ़्टवेयर डालकर डेटा चुराना या नेटवर्क को बाधित करना, सरकारी डेटा की चोरी करना, किसी व्यक्ति की निजी जानकारी जैसे पता, फोन नंबर या तस्वीरें ऑनलाइन साझा करना। नकली ईमेल या वेबसाइट के जरिए लोगों की बैंक जानकारी चुराना। इंटरनेट पर अश्लील मैसेज, फोटो भेजकर डराना या धमकाना। किसी और की पहचान का दुरुपयोग करना।

साइबर अपराधों को मूल रूप से तीन प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है:

व्यक्तियों, संपत्ति और सरकार के खिलाफ साइबर अपराध। साइबर अपराध कितने प्रकार के होते हैं ईमेल और इंटरनेट धोखाधड़ी। पहचान की धोखाधड़ी, साइबर चोरी, जिसमें वित्तीय या कार्ड भुगतान डेटा का अनधिकृत अधिग्रहण शामिल है।

इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के अधिकारों का उल्लंघन करने वाली गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए, भारत सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 लागू किया है। यहाँ इसके कुछ ऐसे प्रावधान दिए गए हैं जो इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को सशक्त बनाते हैं और साइबरस्पेस की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं।भारत में साइबर अपराधों से निपटने के लिए मुख्य और सबसे प्रमुख कानून सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 है। इसके अलावा, भारतीय न्याय संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत भी डिजिटल अपराधों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाती है। भारत में साइबर अपराधों से निपटने के लिए मुख्य कानून सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और भारतीय न्याय संहिता के प्रावधान लागू हैं। यह कानून डिजिटल डेटा सुरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड की मान्यता और ऑनलाइन धोखाधड़ी को नियंत्रित करता है।

आईटी एक्ट के प्रमुख प्रावधान

कंप्यूटर स्त्रोत दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ या उन्हें नष्ट करना।कंप्यूटर सिस्टम में अनधिकृत पहुंच और डेटा चोरी। पहचान की चोरी किसी व्यक्ति के प्रतिरूपण द्वारा धोखाधड़ी करना। किसी की निजता का उल्लंघन कर आपत्तिजनक तस्वीरें या वीडियो लेना और प्रकाशित करना। साइबर आतंकवाद जैसे राष्ट्र की सुरक्षा को खतरा पहुँचाना।

अश्लील सामग्री इलेक्ट्रॉनिक रूप में प्रकाशित या प्रसारित करना। बाल अश्लीलता से संबंधित सामग्री का प्रसार। राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा कंप्यूटर डेटा को इंटरसेप्ट या मॉनिटर करने की शक्ति।

ऑनलाइन साइबर क्राइम की शिकायत कैसे करें

यदि आप किसी साइबर फ्रॉड का शिकार हुए हैं, तो निम्नलिखित तरीकों से त्वरित मदद प्राप्त कर सकते हैं

किसी भी वित्तीय धोखाधड़ी की स्थिति राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर डायल करें।विस्तृत शिकायत दर्ज कराने के लिए भारत सरकार के आधिकारिक पोर्टल का उपयोग करें।

लेखक

अधिवक्ता हिमांशु प्रकाश मुरकुटे लांजी
8964836401

खुद को थोड़ा अवसर दो..

ना परिवार के पीछे कुछ है,
ना परिवार से पहले,
क्यों न घर के देव भी देखें
हम हरिद्वार से पहले।

दुनिया से मिलने में
गुज़र जाता है पूरा हफ़्ता यूँ,
अपनों से ही मिल नहीं पाते
हम इतवार से पहले।

क्या है जिसने हमें रुलाया,
खूब थकाया भी है,
इतना सब कुछ करके,
सर पर क़र्ज़ बकाया भी है।

हाथों में आता है लेकिन,
हाथ नहीं आ पाता है,
वक़्त नाम के
स्वर्ण-हिरण ने
खूब छकाया भी है।

इसीलिए कुछ
वक़्त निकालो,
अपने अपनों
के लिए,
थोड़ा खुद को
दो अवसर भी,
छूटे सपनों के लिए।

लेखक

संतोष सिंह नैकाने,
गोंदिया महाराष्ट्र

खिड़की पर चांद

जब खिड़की
पर आता चांद।
मन को बहुत
लुभाता चांद।
सुनता नहीं
बात किसी की
अपनी बहुत सुनाता चांद।
लुकाछिपी कभी खेलता
कभी बहुत शरमाता चांद।
और कभी ल
गता मुस्काता
अपने पास बुलाता चांद।
जब आता
बरसाती मौसम
तब छुट्टी पर जाता चांद।
इतना उजला,
इतना सुन्दर
कौन नदी है नहाता चांद।
चम चम चमके
रूप सलोना
कौनसी क्रीम
लगाता चांद।
ऐसा लगता
जनम जनम का
हम सबसे
तेरा नाता चांद।
जब जब चौथ
के दिन है आते
अपने भाव बढ़ाता चांद।
रात घूमता आसमान में-
फिर दिन भर
सुस्ताता चांद।।

शशि तिवारी,
गोंदिया (महाराष्ट्र)

कब करोगे..

देश के भविष्य का ख्याल कब करोगे
सरकार से आखिर सवाल कब करोगे?

कुछ भी उटपटांग लिख के छाप देते हो
पत्रकारिता में काम कमाल कब करोगे?

सरकारी ज़मीं को कम्पनियां हथियाएं है
कभी इस मसले पर बवाल कब करोगे?

जाकर बैठ जाते हो सत्ता की चौखट पर
अपने ज़मीर से
बोलचाल कब करोगे?

फ़र्ज़ी राष्ट्रवादियों से
पुरा देश परेशान हैं
सियासत में कोई
भूचाल कब करोगे?

कितनी उम्मीदें
लगाई है जनता तुमसे
तुम लोकतंत्र की
देखभाल कब करोगे?

लेखक

संजय अश्क
पुलपुट्टा, बालाघाट

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप से जोड़ा जा सकता है।

शब्दवर्गपहेली क्र.- 188

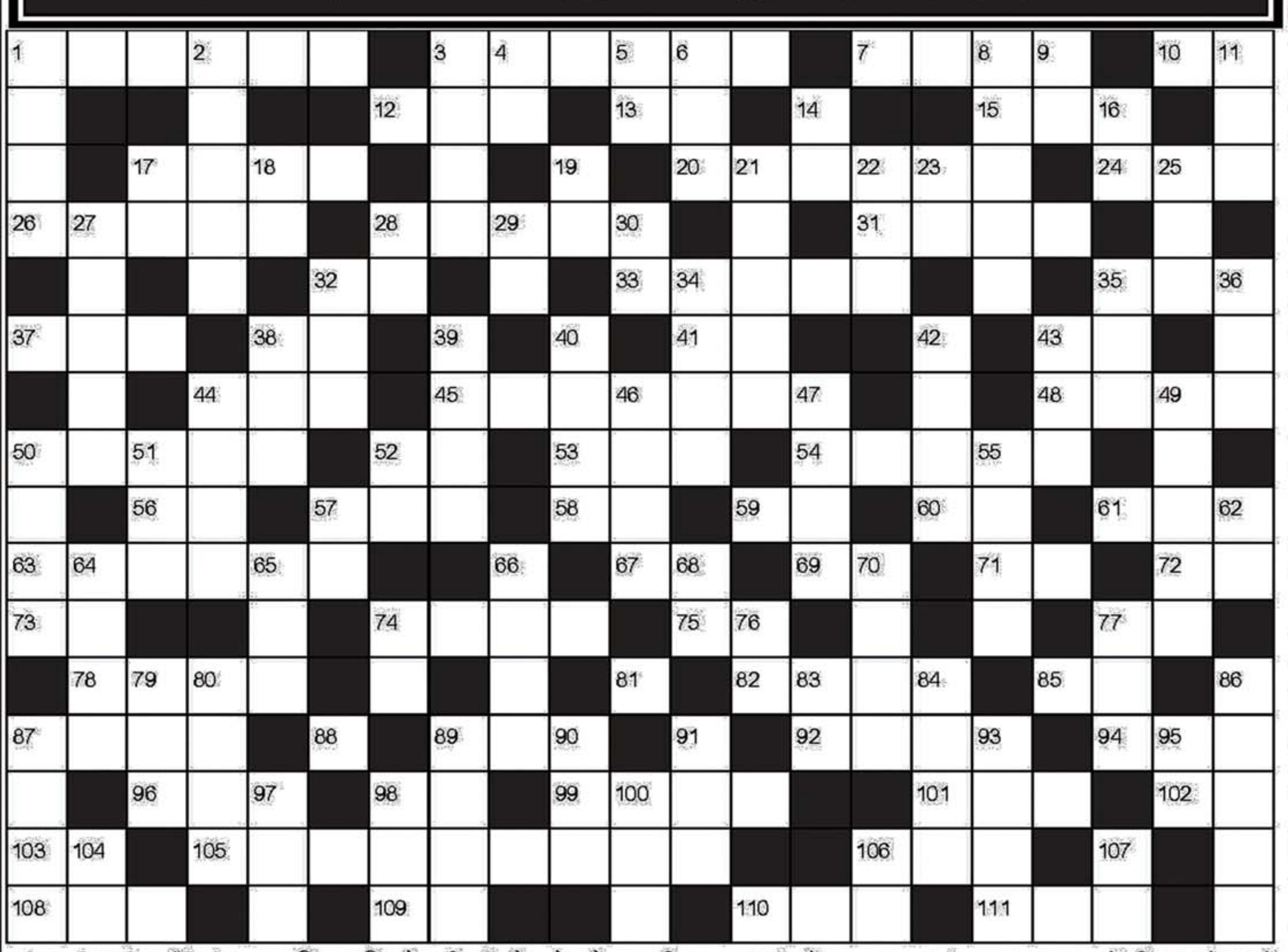

ck;| l| nk;| }&1) भारवाहिता, जिम्मेदारी 3) देखने योग्य 7) दिल्लगी, विनोद, क्रीडा 10) देने का कार्य, उत्सर्जन 12) श्रावण मास 13) शहर या गांव का गंदा पानी बाहर फेंकने की प्राकृतिक जलप्रणाली 15) बिना बादल का आकाश, मेघ शून्य 17) अनसुनी करना 20) मैना पक्षी 24) जीतेन्द्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की एक पुरानी फिल्म 26) तरुण, नौजवान 28) मानव जाति की उत्पत्ति तथा विकास का कार्य 31) अर्पण करना, बांटना 32) अंतःकरण 33) एक व्रत जिसमे महाराष्ट्रीयन स्त्रियां वटवृक्ष का पूजन करती है 35) गिरे हुये घरों का चूना, ईंट, पत्थर आदि 37) समाधान, तृप्ति, सुख का अनुभव 38) 'मैं' का बहुवचन 41) पैर, पांव 43) सहित, समेत 44) नदी 45) अभिवादन का एक शब्द 48) एक प्रकार का प्रसिद्ध मुलायम कपड़ा 50) संसार को धारण करनेवाला, परमेश्वर 52) जामुन, प्रहर 53) अंगीकार करना, संतुष्ट होना 54) आदर और सत्कार के योग्य 56) रस 57) बरामदा, औसारा 58) शतरंज के खेल में प्रतिस्पर्धी के बादशाह को दी गयी शिकस्त 59) पैसा, मूल्य 60) पुराण काल में निषध देश के राजा वीरसेन का पुत्र जो दमयंती का प्रियकर था 61) शुद्ध, पवित्र 63) भूल जाना 67) शक्ति, सामर्थ्य 69) निर्झर, पानी गिरने का स्थान 71) गला, स्वर, आवाज 72) पिता 73) एक विदेशी मद्य प्रकार 74) बातचीत, चर्चा 75) माफी 77) नदी का किनारा 78) कामदेव की पत्नी रति का एक नाम 81) एक टी.वी. चॅनल 82) थाने का प्रधान अधिकारी 85) आराध्ना के निमित्त वैदिक वाक्य जिनको पढ़कर यज्ञादि क्रिया की जाती है 87) निरंकुश बादशाह, हुकूमशाह 89) एक सम्मानसूचक संबोधन 92) दाहिने या बायें बल लेटने की स्थिती 94) तपस्वी 96) मस्तक, माथा 98) केस, बालक 99) निगल जाना 101) छोटा धातु का प्याला 102) एक श्वास रोग 103) सम्पत्ति, छलपूर्ण रचना, इंद्रजाल 105) नाम पर कलंक लगना अर्थवाला एक मुहावरा 106) पर-पुरुष गामिनी, व्यभिचारिणी 108) वंदन, प्रणाम 109) शिव, हरनेवाला 110) श्रीकृष्ण के एक पुत्र का नाम, मंगल 111) नाश करनेवाला

Aij l| uhp }& 1) उद्यान, बगीचा 2) दक्षिण देश संबंधी 3) अनादर, तिरस्कार 4) जंगल, अरण्य5) कण, दाना 6) विक्री आदि का एक ढंग जिसमें सबसे ऊंची बोली बोलनेवाले को माल बेच दिया जाता है 8) हानी करनेवाला 9) सरोवर, पानी का झरना 11) नशा उत्पन्न करनेवाला, मादक 14) मर्यादा, अकड़, ऐठ 16) मिथ्या ज्ञान, भ्रांति 17) उम्र 18) कौआ 19) कांच, आईना 21) जिसके मन में अपार दया हो 22) सत्यवान की पत्नी जो पति के प्राणों के लिए यम से लड़ी थी 23) नियम 25) बहुत बाते करनेवाला 27) वसंत ऋतु के आगमन के समय मनाया जानेवाला उत्सव 28) परिमाण, तौल 29) रंग, जाति, बाह्य रुप 30) झरना, बहाव 32) ममत्व, प्रेम, लोभ 34) बूंद बूंद कर के गिरना 35) बहुत बड़ा शानदार मकान 36) मामा, मां का भाई 38) मृग 39) तोते की एक कल्पित जाति 40) देवों के राजा इंद्र 42) रावण 43) काल, वक्त, अवकाश 44) सांप के रेंगने का शब्द 46) धर्म, संप्रदाय 47) जिसे समझ या बुद्धि ना हो 49) श्रीविष्णु का एक अवतार 50) जिस पर हाथ रखो वह भस्म हो जायेगा ऐसा वरदान प्राप्त एक दानव 51) धरने की क्रिया या भाव 52) गुथे हुए बहुत से तारों का या रेशों का समूह 55) हलाहल पिनेवाले शिवजी 57) अनाज का कण 62) झुका हुआ 64) भय दिखाना, डराना 65) प्रमाण का उल्लेख, जिम्मेदारी 66) खोजना, ढुंढ़ना 68) एक लाख 70) जो रस से परिपूर्ण हो 74) चर्चा, बातचीत 76) मस्तक 77) योग्यता 79) लकड़ी के सिरे पर कपड़ा लपेटकर जलायी जानेवाली दीपशिखा 80) कहने का काम दुसरे से करवाना 83) भला, प्रामाणिक, अच्छा 84) जल्दी से आगे बढ़ जाना, उछलना 86) विषमता, समानता का अभाव 87) वायु मंडल की उष्णता की मात्रा 88) एक निषेध सूचक शब्द 89) जल धारण करनेवाला मेघ 90) कांख 91) स्वप्न 93) छु कर किसी वस्तु को आजमाना 95) पैर, पांव 97) डुगडुगी, छोटा नगाड़ा 98) दस और दो का जोड़ 100) मार्ग, रास्ता 104) तीन घंटे का समय, प्रहर 106) छेद, सुराख 107) बगुला (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

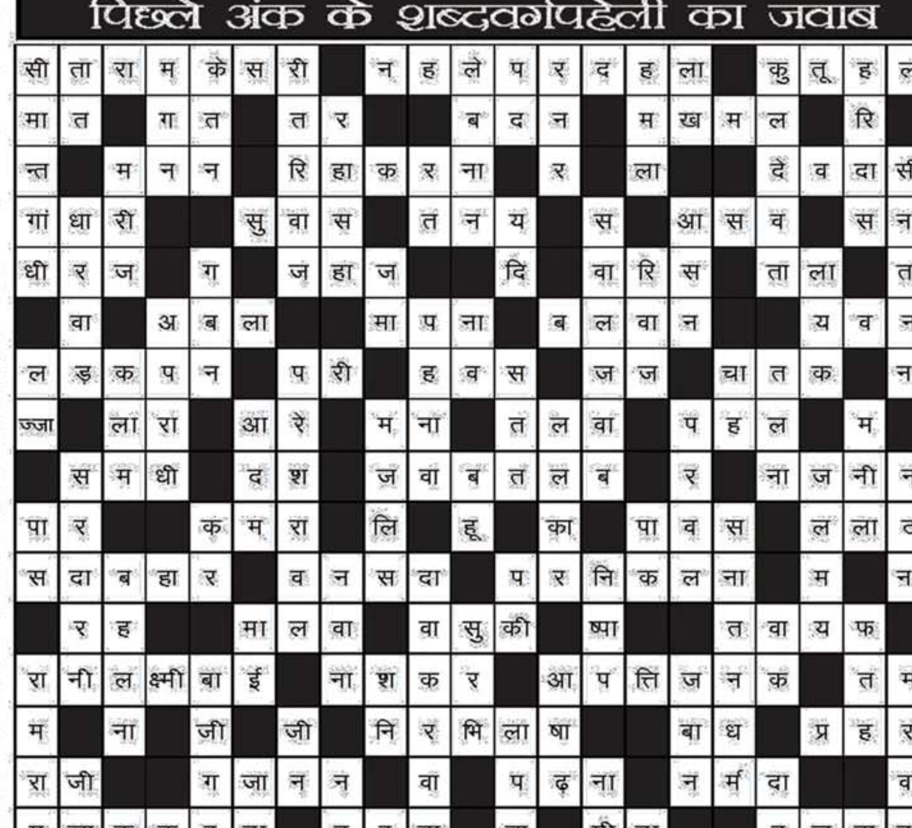

anumeya-08446302691

साहिल और ज्योति तुर्किये विश्व कप के क्वालीफिकेशन दौर में शीर्ष 10 में शामिल..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

मौजूदा सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे युवा भारतीय तीरंदाज साहिल जाधव ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रभावशाली खेल जारी रखते हुए मंगलवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के चरण-तीन की कंपाउंड स्पर्धा के क्वालिफिकेशन

दौर में 10वां स्थान हासिल किया जबकि अनुभवी तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम महिलाओं की कंपाउंड स्पर्धा में सातवें स्थान पर रहीं। पिछले महीने शंघाई में अपना पहला विश्व कप पदक जीतने वाले साहिल ने पुरुष कंपाउंड क्वालिफिकेशन में 710 अंक जुटाए। ऑस्ट्रिया के निको वीनर 714 अंकों के साथ शीर्ष पर रहे। साहिल समेत कुल सात तीरंदाज 710 अंकों पर बराबरी पर थे, लेकिन एक्स-काउंट (निशाने के केंद्र के करीब) के आधार पर भारतीय खिलाड़ी 10वें स्थान पर खिसक गए।

भारत के ऋषभ यादव 706 अंकों के साथ 22वें स्थान पर रहे, लेकिन वह टीम स्पर्धा में हिस्सा नहीं ले पाएंगे, क्योंकि उनका नाम सितंबर-अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए चुनी गई तीन सदस्यीय टीम में शामिल नहीं है।

एशियाई खेलों के लिए चयनित गणेश मणि रत्नम तिरुमुरु ने 703 अंकों के साथ 33वां और कुशल दलाल 699 अंकों के साथ 43वां स्थान प्राप्त किया। साहिल के साथ यही दोनों खिलाड़ी पुरुष टीम स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारतीय पुरुष टीम को तीसरी वरीयता मिली है और वह अपने अभियान की शुरुआत सिंगापुर के खिलाफमुकाबले से करेगी।

महिला कंपाउंड स्पर्धा में ज्योति सुरेखा वेन्नम 700 अंकों के साथ भारत की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली तीरंदाज रहीं और सातवें स्थान पर रही। चिकिता तनिपार्थी 10वें स्थान पर रहीं, जबकि परनीत कौर 693 अंकों के साथ 18वें स्थान पर रहीं, क्रमशः दूसरी और तीसरी सर्वश्रेष्ठ भारतीय तीरंदाज बनीं। एशियाई खेलों के लिए चयनित 17 वर्षीय पृथिका प्रदीप 690 अंकों के साथ भारतीय खिलाड़ियों में सबसे पीछे 22वें स्थान पर रहीं।

इसके बावजूद वह टीम स्पर्धा में हिस्सा लेंगी, क्योंकि वह आइची-नागोया एशियाई खेलों के लिए चुनी गई भारतीय टीम का हिस्सा हैं, जिसमें परनीत को जगह नहीं मिली है। एशियाई खेलों की तैयारी को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम प्रबंधन ने रणनीतिक निर्णय लिया है कि विश्व कप सत्र के दौरान टीम स्पर्धाओं में उन्हीं तीन तीरंदाजों को उतारा जाएगा, जिन्हें पिछले महीने हुए चयन ट्रायल्स में एशियाई खेलों के लिए चुना गया था, चाहे उनके क्वालिफिकेशन स्कोर कुछ भी हों। भारतीय महिला टीम को मेक्सिको के बाद दूसरी वरीयता मिली है और उसने सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है, जहां उसका सामना इटली

और अमेरिका के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा। कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में भी भारत को पांचवीं वरीयता मिली है। इस वर्ग में साहिल जाधव और ज्योति सुरेखा वेन्नम की जोड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। दोनों खिलाड़ियों को पहले दौर में बाई मिली है और वे सीधे प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं।

करीबी को खोकर दर्द में सलमान खान, गम में डूबा पूरा खान परिवार, भतीजे निरवाण के नहीं रुके आंसू..

डेस्क जगप्रेरणा।

सलमान खान और उनके पूरे परिवार के लिए ये मुश्किल वक्त हैं। दरअसल सलमान खान के करीबी दोस्त कुमुद राणे का निधन हो गया है, जिससे एक्टर और उनका परिवार गम में डूबा हुआ है।

खान परिवार आज एक साथ श्मशान घाट पर स्पॉट किया गया। कुमुद राणे के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए सलमान खान पहुंचे। इस दौरान परिवार के बाकी सदस्य भी वहां मौजूद थे। सलमान खान अंतिम संस्कार के दौरान काफी दुखी और परेशान दिखे। उनकी आंखें आंसू से भरी हुई थीं। भारी सिक्योरिटी के बीच सलमान खान को श्मशान खाट से बाहर आते हुए स्पॉट किया जा सकता है। उन्हें संभालते और उनका साथ देते बॉडीगार्ड शेरा भी नजर आए।

सलमान खान और परिवार दिखा भावुक..

सोशल मीडिया पर पैपराजी पेजों ने कई वीडियो शेयर किए हैं। सलमान को सुरक्षा और करीबी साथियों के साथ अंतिम संस्कार स्थल पर पहुंचते और फिर वहां से बाहर आते देखा गया। हाथ जोड़कर खड़े सलमान काफी दुखी लग रहे थे और खुद को संभालने की कोशिश कर रहे थे। एक पल ऐसा भी आया जब सलमान भावुक हो गए और टूटते हुए दिखे। वो अपने एक साथी को गले लगाकर रो पड़े। ऑनलाइन सामने आए इन वीडियो ने फैंस को भी भावुक कर दिया। सलमान के अलावा परिवार के बाकी सदस्य भी गमगीन नजर आए, फिर चाहे वो अरबाज हों या सोहेल और अर्पिता खान शर्मा। सलीम खान की दूसरी पत्नी भी श्माशान घाट पर कुमुद राणे को अंतिम विदाई देने पहुंची थीं। उनके अलावा दोनों भतीजे अरहान खान और निरवाण खान भी इमोशनल नजर आए। भांजे अयान अग्निहोत्री भी इमोशनल नजर आए।

फैंस ने सलमान को किया सपोर्ट..

कहा जाता है कि कुमुद राणे खान परिवार की करीबी दोस्त थे और अंतिम संस्कार में पूरे परिवार की मौजूदगी जाहिर करती है कि वो कितने करीबी रहे होंगे। साधारण चेक वाली शर्ट और जींस पहने सलमान इस मौके पर सादगी से पेश आए। हालांकि उनकी भावुक हालत किसी से छिपी नहीं रही। फैंस ने सोशल मीडिया पर एक्टर को सपोर्ट किया है और उनके लिए खास मैसेज लिख रहे हैं। कई लोगों ने लिखा कि सलमान मुश्किल समय में हमेशा उन लोगों के साथ खड़े रहे हैं जिन्हें वे प्यार करते हैं। एक पैपराजी पोस्ट में लिखा था, 'सलमान खान कुमुद राणे के अंतिम संस्कार में भावुक हो गए, जो परिवार की करीबी दोस्त थे।' जबकि वीडियो पर कमेंट में एक शख्स ने लिखा था, 'मजबूत बने रहो भाईजान।' कई फैंस ने इस क्लिप पर दुख भरे मैसेज के साथ प्रतिक्रिया दी और इतने मुश्किल समय में मौजूद रहने के लिए एक्टर की तारीफ की।

इस फिल्म में नजर आएंगे सलमान..

सालों से सलमान खान ने अक्सर अपने जीवन में परिवार, वफादारी और लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों के महत्व के बारे में बात की है। कुमुद राणे के अंतिम संस्कार में उनकी मौजूदगी ने एक बार फिर एक्टर के भावुक पक्ष को लोगों के सामने रखा है। आखिरी बार सलमान खान सिकंदर में नजर आए थे। अब वो जल्द ही मातृभूमि में नजर आएंगे। फिल्म में चित्रांगदा सिंह उनके साथ लीड रोल में हैं।

'जिंदगी भर दर्द से जूझती रही', राम चरण की बहन श्रीजा का छलका दर्द, 19 की उम्र में घर से भागकर की थी शादी..

डेस्क जगप्रेरणा।

राम चरण इन दिनों अपनी फिल्म 'पेद्दी' के लिए सुर्खियां बटोर रहे हैं, जिसने बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर दिया है। राम चरण की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर छप्परफाड़ कमाई कर रही है।

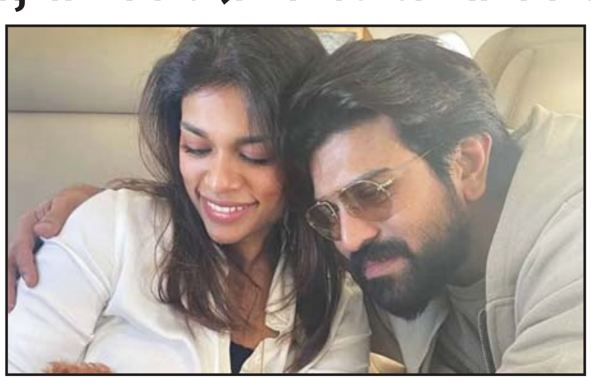

इस बीच उनकी बहन और चिरंजीवी की बेटी श्रीजा कोनिडेला भी चर्चा में आ गई हैं। श्रीजा कोनिडेला ने हाल ही में एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ में आई मुश्किलों के बारे में बात की और बताया कि उन्होंने अपने दर्द भरे पास्ट का कैसे सामना किया और इससे कैसे बाहर आईं। श्रीजा ने बताया कि अतीत में उनके साथ जो कुछ हुआ, वह लगातार उनके साथ चल रहा था, जिसके चलते वह आगे नहीं बढ़ पा रही थीं। लेकिन, फिर उन्होंने एक कोर्स किया, जिसने उन्हें 'विक्टिम' होने के भाव से बाहर निकलने में मदद की।

दर्द भरे अतीत से कैसे बाहर निकलीं श्रीजा कोनिडेला?

सोमवार को अपने इंस्टाग्राम पर श्रीजा ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपने अतीत के बारे में बात करती नजर आ रही हैं। श्रीजा कोनिडेला ने अपने अतीत के बारे में बात करते हुए कहा, 'मैं अपनी जिंदगी में इस उलझन में फंसी हुई थी कि मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है? इतना दर्द क्यों झेल रही हूं? मेरी जिंदगी में एक के बाद एक संघर्ष क्यों आ रहे हैं और आखिर मैंने ऐसा क्या किया है जो मुझे ये ब सहना पड़ रहा है? मगर फिर मैं पीड़ित होने की इस भावना से बाहर निकली और फिर समझ आया कि ये मेरे साथ यूं ही नहीं रह सकता, बल्कि मेरे पास इससे बाहर आने की ताकत है।'

दर्दनाक अतीत बनी रही पहचान..

श्रीजा ने अपने वीडियो में बताया कि कैसे लंबे समय तक उनका दर्दनाक अतीत उनकी पहचान बना रहा। वह कहती हैं- 'अपने जिंदगी के ज्यादातर समय तक मैं खुद को अपने दर्द, अतीत और संघर्षों से जुड़ी रही। मेरे जीवन में हुई हर गलत चीज मेरे लिए मेरी पहचान बन गई थी। मगर फिर मैंने इस कार्यक्रम के जरिए खुद को आगे देखना शुरू किया। हां, मेरा दर्द भी मेरा हिस्सा है, लेकिन सिर्फ दर्द ही मेरी जिंदगी का हिस्सा नहीं है। एक व्यक्ति के तौर पर मेरे भीतर इससे कहीं अधिक गहराई है और मेरे लिए उन परतों को खोजना जरूरी है।'

श्रीजा ने भागकर की थी शादी..

बता दें, श्रीजा कोनिडेला ने 2007 में महज 19 साल की उम्र में अपने 22 वर्षीय बॉयफ्रेंड शिरीष भारद्वाज के साथ भागकर शादी कर ली। उन्होंने हैदराबाद में आर्य समाज रीति से शादी कर ली। उस दौरान इसकी खूब चर्चा हुई थी, क्योंकि श्रीजा ने अपने परिवार के विरोध का हवाला देते हुए मीडिया और पुलिस से सुरक्षा मांगी थी। इस शादी से श्रीजा की बेटी निवृत्ति भारद्वाज का जन्म हुआ। मगर 2011 में, श्रीजा की पर्सनल लाइफ एक बार फिर तब चर्चा में आ गई, जब उन्होंने अपने पति शिरीष और ससुरालवालों के खिलाफ दहेज और उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया। इसके बाद 2014 में दोनों का तलाक हो गया और श्रीजा अपने मायके लौट आईं।

श्रीजा की दूसरी शादी..

शिरीष से अलग होने के बाद श्रीजा ने 2016 में बिजनेसमैन कल्याण देव से शादी की, जो उनके बचपन के दोस्त थे। इस शादी से दोनों की बेटी नविष्का का जन्म हुआ। लेकिन, 2023 में श्रीजा कल्याण से भी अलग हो गईं। वहीं 2024 में, शिरीष का स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण निधन हो गया।

अजय देवगन ने दिया सरप्राइज, बदली रिलीज डेट, अब एक हफ्ते पहले ही सोने की तलाश में लौटेगी सुपरहिट जोड़ी...

डेस्क जगप्रेरणा।

सिनेमा प्रेमियों के लिए साल 2026 पैसा वसूल एंटरटेनमेंट वाला साल साबित होने वाला है यानी इस साल कई सुपरहिट फिल्में रिलीज हुई हैं। कई साल के सूखे के बाद अब बॉलीवुड में बहार आई है

और अलग-अलग तरह की फिल्मों को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। अगर आप 'धमाल' फ्रैंचाइजी के फैन हैं तो आपके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। डायरेक्टर इंद्र कुमार की मल्टी-स्टारर फिल्म 'धमाल 4' अब तय समय से एक हफ्ते पहले ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। धमाल फ्रैंचाइजी और अजय देवगन के फैंस के लिए ये किसी बड़े सरप्राइज से कम नहीं है।

अजय ने खुद दी खुशखबरी..

पहले ये फिल्म 17 जुलाई 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने अब इसे 10 जुलाई 2026 को रिलीज करने का फैसला किया है। अजय देवगन और मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर आधिकारिक पोस्ट शेयर किया। पूरी कास्ट को टैग करते हुए अजय ने कैप्शन में लिखा, 'इन दोनों का एक ही लक्ष्य है - सोना हासिल करना।'

रिलीज की तारीख क्यों बदली गई?

पिंकविला की एक रिपोर्ट के अनुसार आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा' 3 जुलाई को रिलीज हो रही है। 10 जुलाई का स्लॉट खाली होने के कारण 'धमाल 4' के मेकर्स को इसे हासिल करने का सही मौका मिला। उनका मानना है कि जुलाई के बीच में फिल्म रिलीज करना दर्शकों के लिए एक शानदार तोहफा होगा। हालांकि अभी आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

'धमाल 4' को क्या खास बनाता है?

'धमाल' फ्रैंचाइजी की चौथी फिल्म भी उसी तरह का जबरदस्त मजा और हाई-एनर्जी वाइब्स देने के लिए तैयार है, जिसके लिए इंद्र कुमार जाने जाते हैं। इसके अलावा कास्ट भी फैंस के बीच उत्साह बढ़ाती नजर आई। इस फिल्म के लिए फ्रैंचाइजी की मुख्य टीम वापस आ रही है। कास्ट में अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी, संजय मिश्रा और जावेद जाफरी जैसे स्टार्स शामिल हैं। कॉमेडी फिल्म का मजा और बढ़ाने के लिए ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पाटकर और रवि किशन जैसे एक्टर्स भी इसका हिस्सा बनेंगे।

फ्रैंचाइजी के बारे में..

'धमाल' सीरीज बॉलीवुड सिनेमा की सबसे मशहूर कॉमेडी फिल्मों में से एक है। 'धमाल' 7 सितंबर 2007 को रिलीज हुई थी और बहुत बड़ी हिट साबित हुई थी। इसने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 45 करोड़ रुपये कमाए थे। 'डबल धमाल' 24 जून 2011 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म को भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार ओपनिंग मिली थी।

इसने दुनिया भर में लगभग 70 करोड़ रुपये कमाए थे। 'टोटल धमाल' इस सीरीज की लेटेस्ट फिल्म है जो 22 फरवरी 2019 को रिलीज हुई थी और इसने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 228.27 करोड़ रुपये कमाए थे।

बांग्लादेश ने 21 साल बाद किया बड़ा उलटफेर, पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया को बुरी तरह रौंदा..

डेस्क जगप्रेरणा।

बांग्लादेश ने 9 जून को ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए तीन मैचों की सीरीज के पहले वनडे मैच में मौजूदा वनडे वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर एक बड़ा उलटफेर कर दिया। इस मैच में बांग्लादेशी टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। बारिश के कारण इस मुकाबले को बीच में रोकना पड़ा, जिसके बाद डकवर्थ-लुईस **(DLS)** नियम के तहत बांग्लादेश को 86 रनों से एक बड़ी जीत मिल गई। 2005 के बाद बांग्लादेश ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया को वनडे में हराया है। वहीं 36 साल के इतिहास में यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बांग्लादेश की दूसरी जीत है। इस जीत के साथ ही बांग्लादेश अब इस सीरीज में 1-0 से आगे हो गया है।

कमबैक मैच में मोसादैक हुसैन ने किया शानदार प्रदर्शन..

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बांग्लादेश को बल्लेबाजी के लिए कहा। पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश को अच्छा स्टार्ट नहीं मिला। सलामी बल्लेबाज सैफहसन सिर्फ 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद दूसरे विकेट लिए तंजीद हसन और नजमुल हसन शांतो के बीच दूसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी हुई। दोनों ही बल्लेबाज अर्धशतक लगाने में कामयाब रहे।

तंजीद ने 54 रन बनाए वहीं नजमुल हसन शान्तो 67 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। लंबे समय के बाद टीम में वापसी कर रहे मोसादैक हुसैन ने 70 बॉल पर 86 रन बनाए, इस पारी में उन्होंने 7 चौके और तीन छक्के लगाए। वहीं तौहीद हृदोय ने 31 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बॉलिंग में नाथन एलिस ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए।

कैमरून ग्रीन ने लगाया अर्धशतक, नाहिद राणा ने झटके 4 विकेट..

टारगेट का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। मैथ्यू शॉर्ट गोल्डन डक पर आउट होकर पवेलियन लौट गए। वहीं दूसरे सलामी बल्लेबाज कूपर कोनोली ने 50 बॉल पर 35 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफसे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज कैमरून ग्रीन रहे। वह 66 बॉल पर 54 रन बनाकर नाबाद रहे, अपनी इस पारी में उन्होंने चार चौके

और एक छक्का लगाया। वहीं एलेक्स कैरी ने 62 गेंद में 47 रन की पारी खेली। इसके अलावा कोई भी कंगारू बल्लेबाज कुछ खास कमाल नहीं कर पाया। बांग्लादेश के लिए नाहिद राणा सबसे सफल गेंदबाज रहे, उन्होंने अपने 10 ओवर में 41 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए।

प्रगतिशील किसान अनिल ठाकरे द्वारा की गई तील की खेती अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायक..

जगप्रेरणा लांजी।

कृषि विभाग की फसल विविधीकरण और किसानों की आय वृद्धि की योजनाएं अब खेतों में सकारात्मक परिणाम दे रही हैं। लांजी विकासखंड के ग्राम भानेगांव के प्रगतिशील किसान अनिल ठाकरे ने रबी सीजन में तिल की खेती करके अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

कृषि विभाग द्वारा रबी सीजन में चलाए गए तिलहन प्रदर्शन कार्यक्रम के तहत अनिल ठाकरे को उन्नत किस्म के तिल के बीज उपलब्ध कराए गए थे। विभागीय अधिकारियों के मार्गदर्शन में वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाते हुए उन्होंने खेत में बुवाई की। समय पर सिंचाई, संतुलित खाद प्रबंधन और अनुकूल मौसम के कारण उनकी फसल शानदार स्थिति में है। अनिल ठाकरे के खेत में दूर-दूर तक फैली हरी-भरी तिल की फसल देखकर आसपास के किसान आकर्षित हो रहे हैं। पौधों में भरपूर शाखाएं, स्वस्थ पत्तियां और दानों से भरी फलियां बेहतर उत्पादन की उम्मीद जगा रही हैं। फसल अब पकाव की अवस्था में पहुंच चुकी है और किसान अच्छी उपज व लाभ की उम्मीद कर रहे हैं। 08 जून 2026 को कृषि विभाग के अधिकारियों ने अनिल ठाकरे के खेत का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने फसल की उत्कृष्ट स्थिति देखकर संतोष व्यक्त किया और कटाई, मड़ाई तथा भंडारण की उचित तकनीकी सलाह दी। अधिकारियों ने बताया कि तिल एक महत्वपूर्ण तिलहन फसल है, जिसकी बाजार में निरंतर मांग बनी रहती है। वैज्ञानिक तरीके से खेती करने पर कम लागत में अच्छा मुनाफा प्राप्त किया जा सकता है।

किसान अनिल ठाकरे ने बताया, 'कृषि विभाग से मिले उन्नत बीज और लगातार तकनीकी मार्गदर्शन से मुझे तिल की खेती करने का पूरा आत्मविश्वास मिला। फसल की मौजूदा स्थिति को देखकर अच्छी उपज और बेहतर आमदनी की उम्मीद है।'

उन्होंने अन्य किसानों से अपील की कि वे पारंपरिक फसलों के साथ तिलहन फसलों को भी अपनाएं और विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ लें। कृषि विभाग के अधिकारियों ने कहा कि जिले में तिलहन व दलहन फसलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रदर्शन कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। भानेगांव के किसान अनिल ठाकरे का यह सफल प्रयोग आसपास के किसानों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा और उन्हें फसल विविधीकरण की ओर प्रोत्साहित करेगा।

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

मलेशिया एक्सचेंज में गिरावट से पाम-पामोलीन तेल के भाव टूटे..

नई दिल्ली, (भाषा)।

मलेशिया एक्सचेंज में आई गिरावट के बीच स्थानीय कारोबार में कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट आई। लागत से नीचे दाम पर आयातकों की बिकवाली करने से सोयाबीन तेल कीमतें भी नरम रहीं।

जबकि ऊंचे दाम पर लिवाली प्रभावित रहने से सरसों तेल-तिलहन के भाव में भी गिरावट देखी गई। दूसरी ओर, महाराष्ट्र में सोयाबीन प्लांट द्वारा खरीद दाम बढ़ाने की वजह से सोयाबीन तिलहन कीमत में मजबूती देखी गई तथा सामान्य एवं सुस्त कारोबार के बीच मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दाम स्थिर बने रहे।

मलेशिया एक्सचेंज गिरावट के साथ बंद हुआ। शिकॉगो एक्सचेंज कल रात सुधार के साथ बंद हुआ था और फिलहाल भी यहां सुधार जारी है। दूसरी ओर, अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया आज 20 पैसे की मजबूती के साथ 95.41 पर बंद हुआ। रुपये के मजबूत होने से खाद्य तेलों का आयात पहले से सस्ता हुआ है और अधिकांश खाद्य तेल-तिलहनों के भाव नरम पड़े हैं। बाजार सूत्रों ने कहा कि मलेशिया एक्सचेंज में आई गिरावट के कारण सीपीओ और पामोलीन तेल के भाव मंदे हुए हैं। रुपये के मजबूत होने से इनका आयात भी कुछ सस्ता बैठ रहा है। जिस कारण पाम-पामोलीन के दाम नरम रहे। वहीं रुपये की मजबूती के अलावा आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर बिकवाली जारी रखने के बीच सोयाबीन तेल कीमतों में भी गिरावट देखी गई।

ऊंचे दाम पर लिवाली प्रभावित रहने की वजह से सरसों तेल-तिलहन के दाम भी नरम बंद हुए।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में सोयाबीन प्लांट वालों ने पिछले कुछ दिन में सोयाबीन तिलहन के खरीद दाम में 300-350 रुपये प्रति क्विंटल तक की वृद्धि की गई है जिससे सोयाबीन तिलहन में सुधार देखने को मिला। हालांकि, मध्य प्रदेश में प्लांट वालों ने सोयाबीन के खरीद दाम में वृद्धि नहीं की।

सामान्य और सुस्त कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन तथा नगण्य उपलब्धता के दौरान ठंडे कामकाज के बीच बिनौला तेल के दाम स्थिर बने रहे।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे :

सरसों तिलहन - 7,675-7,700 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली - 6,550-7,125 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,500 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली रिफाइंड तेल - 2,460-2,760 रुपये प्रति टिन।

सरसों तेल दादरी- 15,700 रुपये प्रति क्विंटल।

सरसों पक्की घानी- 2,590-2,690 रुपये प्रति टिन।

सरसों कच्ची घानी- 2,590-2,735 रुपये प्रति टिन।

सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 15,700 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 15,650 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 12,100 रुपये प्रति क्विंटल।

सीपीओ एक्स-कांडला- 13,800 रुपये प्रति क्विंटल।

बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 16,000 रुपये प्रति क्विंटल।

पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 15,600 रुपये प्रति क्विंटल।

पामोलिन एक्स- कांडला- 14,350 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल। सोयाबीन दाना - 7,025-7,075 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन लूज- 6,875-6,950 रुपये प्रति क्विंटल।

रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ 95.41 प्रति डॉलर पर..

मुंबई, (भाषा)।

अमेरिका-ईरान तनाव कम होने के बाद कच्चे तेल की कीमतें और डॉलर सूचकांक में नरमी के बीच रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 20 पैसे मजबूत होकर 95.41 पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, इजराइल और ईरान के बीच तनाव में नरमी के संकेतों, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा संभावित हस्तक्षेप, सकारात्मक घरेलू बाजार और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में कमी ने रुपये को समर्थन दिया।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.47 पर खुला। कारोबार के दौरान 95.23 के उच्चतम स्तर और 95.67 के न्यूनतम स्तर को छूते हुए अंत में यह 95.41 पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से 20 पैसे की बढ़त है।

रुपया सोमवार को 43 पैसे कमजोर होकर 95.61 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, ''पश्चिम एशिया में अनिश्चितता के कारण रुपये में गिरावट की आशंका है और युद्ध में किसी भी नए तनाव से कच्चे तेल की कीमतों में फिर से उछाल आ सकता है तथा रुपये पर दबाव पड़ सकता है।''

उन्होंने कहा, ''हालांकि, अगर तनाव कम होने का सिलसिला जारी रहता है तो रुपये में कुछ सुधार देखने को मिल सकता है। कारोबारियों की नजर एडीपी के साप्ताहिक रोजगार, व्यापार संतुलन और अमेरिका से जारी मौजूदा गृह बिक्री आंकड़ों पर रहेगी। डॉलर के मुकाबले रुपये की हाजिर दर 95.10 से 95.80 के बीच रहने की संभावना है।''

इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.80 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 2.04 प्रतिशत गिरकर 92.33 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 394.50 अंक चढ़कर 73,918.76 अंक पर और निफ्टी 119.10 अंक बढ़कर 23,242.10 अंक पर पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने मंगलवार को 4,566.03 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की।

दिल्ली सरकार कर्मचारियों को सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल करने के लिए दे रही प्रोत्साहन..

नई दिल्ली, (भाषा)।

दिल्ली सरकार अपने कर्मचारियों को सार्वजनिक परिवहन के इस्तेमाल के लिए प्रोत्साहन दे रही है। इसके तहत कर्मचारियों के 'कॉमन मोबिलिटी कार्ड' का उपयोग करने पर उन्हें यात्रा भत्ते पर प्रोत्साहन मिलेगा।

यह पहल दिल्ली सरकार की उस कोशिश का हिस्सा है जिसके तहत पश्चिम एशिया संकट के कारण ईंधन बचाने की चिंता के बीच सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

एक आदेश में कहा गया, ''मौजूदा हालात में ईंधन बचाने और प्रदूषण कम करने की जरूरत को देखते हुए... दिल्ली सरकार ने अपने उन कर्मचारियों के लिए एक प्रोत्साहन योजना शुरू करने का फैसला किया है जो आने-जाने के लिए मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का उपयोग करते हैं।''

वित्त विभाग के आदेश के अनुसार, अगर कोई कर्मचारी अपने मासिक परिवहन भत्ते का कम से कम 25 प्रतिशत हिस्सा 'कॉमन मोबिलिटी कार्ड' खरीदने या रिचार्ज करने में इस्तेमाल करता है, तो वह मिलने वाले परिवहन भत्ते के 10 प्रतिशत के बराबर प्रोत्साहन पाने का हकदार होगा। यह प्रोत्साहन वेतन के साथ दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछले महीने 90 दिन का 'मेरा भारत, मेरा योगदान' ईंधन-बचत अभियान शुरू किया था। इसमें दिल्ली सरकार के सभी कर्मचारियों के लिए दो दिन 'घर से काम करने' और सार्वजनिक परिवहन के उपयोग की बात कही गई थी।

पिछले महीने, दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने यह भी घोषणा की थी कि वह दिल्ली सरकार के कर्मचारियों के लिए उनके घरों से नजदीकी मेट्रो स्टेशन और फिर दिल्ली सचिवालय तक के लिए विशेष बसें चलाएगी।

आदेश में कहा गया, ''सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को, उनकी सहमति से, डीटीसी द्वारा जारी 'कॉमन मोबिलिटी कार्ड' दिया जाएगा। यह कार्ड वित्त विभाग के डीटीसी के साथ विचार-विमर्श कर जारी किया जाएगा।''

इसमें कहा गया कि शुरू में यह प्रोत्साहन योजना छह महीने के लिए लागू की जाएगी और समीक्षा के बाद इसे आगे बढ़ाया जा सकता है।

सरकार आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बनाये रखने के लिए सुधारों को देगी गति..

नई दिल्ली, (भाषा)।

सरकार पश्चिम एशिया संकट के बीच आर्थिक वृद्धि की रफ्तार को बनाये रखने के लिए सुधारों को आगे बढ़ाने की योजना बना रही है। इसमें विदेशी निवेश को आकर्षित करने, विनिवेश को गति देने तथा संपत्ति को बाजार पर चढ़ाने के लिए कदम शामिल हैं।

सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह बात कही।

उन्होंने यह भी कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को पश्चिम एशिया संकट के कारण ईंधन और उर्वरक का आयात बिल बढ़ने से बाहरी मोर्चे पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन घरेलू खपत बरकरार रहने से जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि की रफ्तार बनी हुई है।

सूत्रों ने कहा, ''वृद्धि को लेकर कोई दबाव नहीं है, लेकिन बाहरी चुनौतियां जरूर हैं...। हर तिमाही में वृद्धि में तेजी दिख रही है। घरेलू अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है और खपत में कोई कमी नहीं आ रही है।''

उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की वजह से तेल और उर्वरक के आयात का बिल बढ़ने से भारत पर जो दबाव पड़ रहा है, वे सिर्फसामान्य तरह की अनिश्चितताएं नहीं हैं।

सूत्रों ने बताया कि सरकार वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को आगे बढ़ाना जारी रखेगी, जिनका मकसद पूंजी बाजार को मजबूत करना और लंबे समय के लिए विदेशी पूंजी को आकर्षित करना है। देश में एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) प्रवाह को बढ़ाने के लिए कुछ कदम उठाने की जरूरत है और भारत धीरे-धीरे इन पर काम करेगा।

रुपये को समर्थन देने और बाजार तक पहुंच बेहतर बनाने के लिए हाल ही में उठाए गए कदमों का मकसद भारत को बड़े वैश्विक बॉन्ड सूचकांक में शामिल कराने की दावेदारी को मजबूत करना है। साथ ही, इससे घरेलू प्रतिभूतियों के लिए निवेशकों का दायरा बढ़ाने और समय के साथ उधार लेने की लागत कम करने में भी मदद मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि सरकार ने पिछले शुक्रवार को पूंजी बाजार को मजबूत करने के लिए सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) की भागीदारी बढ़ाने के मकसद से सुधारों की घोषणा की।

सूत्रों ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट की वजह से ईंधन और उर्वरक के आयात की लागत बढ़ने से अर्थव्यवस्था को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन घरेलू खपत मजबूत बनी हुई है, इसलिए वृद्धि की रफ्तार बरकरार है।

उन्होंने कि कि वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में वैश्विक अर्थव्यवस्था में वैश्विक व्यापार तनाव और शुल्क से जुड़ी अनिश्चितताओं को ध्यान में रखा गया था और सरकार को फिलहाल अतिरिक्त कर्ज लेने या संसद के आगामी मानसून सत्र में पूरक अनुदान मांग लाने की जरूरत नहीं है।

सूत्रों ने कहा कि जनवरी-मार्च तिमाही में दिखी वृद्धि की रफ्तार वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भी जारी है और अब तक विदेशों में काम करने वाले भारतीयों भेजी जाने वाली राशि पर कोई बुरा असर नहीं पड़ा है।

उन्होंने कहा, ''हमें ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि अब तक बाहर से भेजे वाले पैसे में कोई कमी आई है।''

शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2025-26 के दौरान भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रही जो 2024-25 में 7.1 प्रतिशत थी।

सूत्रों ने कहा कि उच्च आयात बिल के बावजूद चालू वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। सरकार ने राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4.3 प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार मौजूदा वित्त वर्ष में विनिवेश और संपत्तियों को बाजार पर चढ़ाने जैसे गैर-कर राजस्व के स्रोतों का सक्रिय रूप से उपयोग कर रही है।

सूत्र ने कहा, ''निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) और सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के पास विनिवेश और संपत्ति को बाजार पर चढ़ाने के लिए साल भर की योजना और मध्यम अवधि का परिदृश्य है। मुझे उम्मीद है कि इस मद में बजट में तय 80,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार हो जाएगा और दोनों विभाग इस पर काम कर रहे हैं।''

उन्होंने यह भी कहा कि आईडीबीआई बैंक का विनिवेश की योजना आगे बढ़ने की उम्मीद है। अधिकारियों ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही के आंकड़े और मानसून पर अल-नीनो के असर की जानकारी मिलने के बाद जुलाई में वृहद आर्थिक आंकड़ों का फिर से आकलन किया जाएगा।

सूत्रों ने जीएसटी संग्रह समेत अन्य महत्वपूर्ण आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि ये सब आर्थिक मजबूती के संकेत दे रहे हैं। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार निजी निवेश में भी तेजी आ रही है।

सूत्रों ने बताया कि दुनिया भर में उर्वरक की कीमतें बढ़ने के कारण, उर्वरक मंत्रालय ने मौजूदा वित्त वर्ष के लिए सब्सिडी में 100 प्रतिशत बढ़ोतरी की मांग की है। बजट में मौजूदा वित्त वर्ष के लिए 1.77 लाख करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी का अनुमान लगाया गया था।

पेट्रोल और और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के बारे में सूत्रों ने कहा कि यह फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि राज्य जीएसटी परिषद के सामने इससे जुड़ा प्रस्ताव कब लाते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, जीएसटी परिषद की अगली बैठक में सुधारों पर चर्चा हो सकती है। इसकी बैठक जल्द होने की उम्मीद है।

पश्चिम एशिया में तनाव घटने से शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसक्स 394 अंक चढ़ा..

मुंबई, (भाषा)।

घरेलू शेयर बाजार में पिछले दो कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट मंगलवार को थम गई और दोनों मानक सूचकांक चढ़कर बंद हुए। इजराइल एवं ईरान के बीच तनाव कम होने और दुनिया के अन्य शेयर बाजारों में तेजी से सेंसक्स 394 अंक चढ़ा जबकि निफ्टी 119 अंक की बढ़त में रहा। विश्लेषकों ने कहा कि बैंक शेयरों में तेजी और कच्चे तेल के दाम में नरमी से भी बाजार धारणा मजबूत हुई है।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 394.50 अंक यानी 0.54 प्रतिशत बढ़कर 73,918.76 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 511.15 अंक तक चढ़ गया था। एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी 119.10 अंक यानी 0.52 प्रतिशत बढ़कर 23,242.10 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान मानक सूचकांक 156.4 अंक तक चढ़ गया था। सेंसेक्स की कंपनियों में इंटरग्लोब एविएशन, भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट्स प्रमुख रूप से लाभ में रहीं।

दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में टाइटन, एनटीपीसी, पावर ग्रिड और टेक महिंद्रा शामिल हैं। ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पोनमुडी आर ने कहा, ''इजराइल और ईरान के बीच तनाव कम होने से निवेशकों का भरोसा बढ़ा और जोखिम वाली संपत्ति में सुधार हुआ, जिससे भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।'' उन्होंने कहा, ''वैश्विक बाजारों में भी तेजी रही।

इसका कारण वैश्विक स्तर पर जोखिम कम होना, तेल की कीमतों में नरमी और प्रौद्योगिकी तथा एआई क्षेत्र को लेकर नई उम्मीद है।'' व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सूचकांक 1.50 प्रतिशत उछल गया जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सूचकांक में 1.33 प्रतिशत की तेजी रही।

क्षेत्रवार सूचकांकों में पीएसयू बैंक में 83 प्रतिशत, बैंकिंग सूचकांक में 2.18 प्रतिशत, सेवा खंड में दो प्रतिशत और रियल्टी खंड में 1.76 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 2,782 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 1,423 शेयरों में गिरावट रही और 193 अन्य अपरिवर्तित रहे।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ÷घरेलू बाजार हाल में आई तेज गिरावट से उबरने की कोशिश कर रहा है।

इसमें इजराइल-ईरान तनाव में कमी आने और कच्चे तेल में नरमी की अहम भूमिका रही। लेकिन विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी जारी रहने और उच्च बॉन्ड प्रतिफल से जुड़ी चिंताएं बरकरार हैं।÷

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, सोमवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 5,555.67 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.66 प्रतिशत गिरकर 92.69 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त के साथ बंद हुए। हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में बढ़त का रुख था। अमेरिकी बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। सेंसेक्स सोमवार को 719.08 अंक टूटा था जबकि निफ्टी में 243.70 अंक की गिरावट आई थी।

एयर इंडिया ने 'हब एंड स्कोप' मॉडल के तहत उड़ानों की बुकिंग शुरू की, वाराणसी से शुरू होगी सेवाएं..

नयी दिल्ली, (भाषा)।

एयर इंडिया ने मंगलवार को केंद्र सरकार के 'हब-एंड-स्पोक' मॉडल के तहत अपनी उड़ानों के लिए बुकिंग शुरू की। इस मॉडल के तहत पहली उड़ान सेवा 25 जून को वाराणसी से शुरू होगी। 'हब-एंड-स्पोक' मॉडल के तहत, वाराणसी जैसे मझोले यानी 'स्पोक' शहरों को दिल्ली जैसे बड़े यानी 'हब' हवाई अड्डे से जोड़ा जाता है, जहां से यात्री एयर इंडिया के बड़े वैश्विक नेटवर्क का आसानी से लाभ उठा सकते हैं।

एयर इंडिया ने बयान में कहा कि 'ईजी कनेक्ट' उड़ानों के तौर पर शुरू की गई ये सेवाएं यात्रियों को बड़े केंद्र से दूर छोटे शहरों से भी अपना सामान जमा करने और शुरुआती एयरपोर्ट पर ही आव्रजन की प्रक्रिया पूरी करने की सुविधा देती हैं, ताकि वे दुनिया भर में आसानी से यात्रा कर सकें।

एयर इंडिया ने कहा कि इस व्यवस्था से मझोले शहरों के यात्री एक ही 'हब' के जरिये कई अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों तक आसानी से पहुंच सकेंगे। इसमें आसान पारगमन का अनुभव मिलेगा।

एयरलाइन ने कहा कि वह आने वाले महीनों में कई शहरों में 'ईजी कनेक्ट' उड़ानों को चरणबद्ध तरीके से शुरू करेगी, ताकि भारत के मझोले और छोटे शहरों से बड़े पैमाने पर आसान अंतरराष्ट्रीय संपर्क सुविधा मिल सके।

इस सुविधा के तहत यात्री अपनी अंतिम मंजिल तक के लिए 'थ्रू चेक-इन' कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, वाराणसी जैसे शहर के यात्री अपने शहर के हवाई अड्डे पर ही अपनी अंतिम अंतरराष्ट्रीय गंतव्य तक के लिए चेक-इन कर सकते हैं। उन्हें दिल्ली जैसे हवाई अड्डे पर अपना सामान लेने या दोबारा चेक-इन करने की जरूरत नहीं होगी।

साथ ही, यात्री अपने शुरुआती एयरपोर्ट पर ही अंतरराष्ट्रीय आव्रजन की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे, जिससे उन्हें 'हब' यानी बढ़े शहर के हवाई अड्डे पर लंबी लाइन और प्रसंस्करण से नहीं गुजरना पड़ेगा।

जग प्रेरणा
देश विदेश
● म.प्र. ● महाराष्ट्र ● छ.ग. ● उड़ीसा ● राजस्थान ● गुजरात ● दिल्ली ● हरियाणा ● पंजाब ● जम्मू कश्मीर

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क -
9329033433

जयपुर की अवैध पटाखा गोदाम में धमाके के साथ लगी आग, 7 लोगों की मौत; कई घायल..

डेस्क जगप्रेरणा।

जयपुर के खो-नागोरियन इलाके में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने का मामला सामने आया है। इस घटना में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई।

यह जानकारी SMS मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और अस्पताल के कंट्रोलर डॉ. दीपक माहेश्वरी ने दी। जानकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह जयपुर के खोह नागोरियन इलाके में कथित तौर पर अवैध रूप से चल रहे पटाखों के गोदाम में धमाके के बाद आग लग गई थी। अधिकारियों ने बताया कि आग खोह नागोरियन की आयशा नगर तलाई कॉलोनी के एक छोटे से घर में लगी, जहां कथित तौर पर पटाखे रखे गए थे।

सीएम ने हादसे पर जताया शोक..

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शर्मा ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया है। एक्स पर एक पोस्ट में सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा, ÷जयपुर के खो नागोरियान क्षेत्र में हुई दुर्घटना में जनहानि का समाचार दुखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों में पूरी तत्परता के साथ जुटने, घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें, शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दें तथा सभी घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।'

हादसे के कारणों की जांच जारी..

जयपुर के कलेक्टर संदेश नायक ने कहा कि शुरुआती जानकारी के मुताबिक, परिसर के अंदर रखे ज्वलनशील पदार्थ के कारण आग लगी हो सकती है। उन्होंने कहा, 'घर में कुछ ज्वलनशील पदार्थ था, जबकि आग लगने का सही कारण विस्तृत जांच के बाद ही पता चलेगा।' वहीं पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि यह घर एक गोदाम था, जो रिहायशी इलाके में अवैध रूप से चल रहा था और पास ही एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट भी थी। उन्होंने कहा, ÷प्रथम दृष्टया, यह एक स्टोरेज फैसिलिटी लगती है। फोरेंसिक जांच से पुष्टि होगी कि गोदाम में रखे गए पदार्थ पटाखे थे या नहीं।' उन्होंने कहा कि मालिक और इसके लिए जिम्मेदार सभी लोगों के खिला कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय लोगों ने सुनी धमाके की आवाज..

एक स्थानीय निवासी ने बताया कि आग लगने से पहले धमाके की आवाज सुनाई दी और स्थानीय लोगों ने मजदूरों को बचाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, ÷एक पानी का टैंकर बुलाया गया और हमने होज पाइप के साथ अंदर जाने की कोशिश की। हम तीन-चार लोगों को बाहर निकालने में कामयाब रहे और बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया।' गोदाम के बगल में रहने वाले एक और निवासी, लियाकत ने बताया कि आग की लपटों के पूरे परिसर को अपनी चपेट में लेने से ठीक पहले उन्होंने सिलेंडर फटने जैसा धमाका सुना। उन्होंने बताया कि जले हुए मलबे से आतिशबाजी के एक ब्रांड के नाम वाला रैपर मिला है, जिससे पता चलता है कि घर के अंदर बड़ी मात्रा में सामान मौजूद था।

दुबई में बस और ट्रक की टक्कर में 7 की मौत, 9 लोग घायल; कई भारतीय भी शामिल..

डेस्क जगप्रेरणा।

इस वक्त की बड़ी खबर दुबई से सामने आ रही है। यहां मिनीबस और ट्रक के बीच सड़क पर टक्कर हो गई। इस दर्दनाक सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 9 लोग घायल बताए जा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक बस में कई भारतीय मजदूर सवार थे। फिलहाल हादसे के बाद दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने घटना पर दुख व्यक्त किया है। इसके साथ ही दूतावास ने कहा है कि वह स्थानीय अधिकारियों के साथ संपर्क में हैं। घटना में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं। फिलहाल घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिनीबस और ट्रक में हुई टक्कर..

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को दुबई में एक मिनीबस और ट्रक के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में कई भारतीय कामगारों की मौत हो गई है। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'दुबई में हुए इस दुखद हादसे से हम बेहद दुखी हैं, जिसमें कई भारतीय कामगारों की जान चली गई।' वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर हर संभव सहायता और समर्थन प्रदान करने के लिए काम कर रहा है।

बीच सड़क पर रुक गया था ट्रक..

दुबई पुलिस के यातायात विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि तकनीकी खराबी के कारण ट्रक अमीरात रोड के बीचोंबीच अचानक रुक गया था।

उन्होंने एक बयान में कहा, 'बस चालक ने कथित तौर पर ध्यान नहीं दिया और सुरक्षित दूरी नहीं रखी, जिसके चलते उसने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी।' उन्होंने आगे कहा, ÷इस दुर्घटना में 7 लोगों की मौत हो गई और 9 लोग घायल हो गए, जिनमें पांच गंभीर रूप से घायल और चार मध्यम रूप से घायल हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।'

अधिकारियों ने घायलों से की मुलाकात..

भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों ने अस्पताल का दौरा किया और घायल भारतीयों से मुलाकात की। ब्रिगेडियर जुमा सलेम ने बताया कि दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए यातायात दुर्घटना जांच अनुभाग के विशेषज्ञों को घटनास्थल पर भेजा गया है, ताकि वे निरीक्षण कर सटीक साक्ष्य जुटा सकें। उन्होंने कहा, 'यातायात गश्ती दल ने यातायात को नियंत्रित किया, घटनास्थल को सुरक्षित किया और बचाव वाहनों के लिए आवागमन सुगम बनाया। कार्य दल ने क्षतिग्रस्त ट्रक और बस को भी हटाया ताकि यातायात सामान्य रूप से चल सके।'

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें.. मो. 9329033433

पटाखा गोदाम में आग लगने से सात लोगों की मौत..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

राजस्थान की राजधानी जयपुर के खो-नागोरियन क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक कथित अवैध पटाखा गोदाम में विस्फोट के बाद आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से झुलस गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि आग आयशा नगर तलाई कॉलोनी स्थित मकान में लगी, जहां पटाखों का भंडारण किया जा रहा था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने मृतकों के परिजन के प्रति संवेदना जताई। जयपुर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विनोद शर्मा ने बताया कि इस हादसे में सात लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। उन्होंने कहा कि पांच लोगों ने सवाई मानसिंह अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि एक अज्ञात व्यक्ति को मृत अवस्था में लाया गया और एक अन्य व्यक्ति की मौत निजी अस्पताल में हुई।

पुलिस के मुताबिक, सात मृतकों में से पांच की शिनाख्त समीर, आबिद, नासिर, अब्दुल वहीद और बिलाल के रूप में हुई है, जबकि दो अन्य की पहचान के प्रयास जारी हैं। पुलिस के अनुसार, घटना घनी आबादी वाले आवासीय क्षेत्र में हुई, जिससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मकान से आग की लपटों से घिरे मजदूर निकले, जिनमें से कुछ सड़क पर गिर पड़े। उन्होंने बताया कि आग बुझाने के प्रयास में स्थानीय लोगों ने इन मजदूरों पर मोटा कपड़ा और पानी डाला, जिसके बाद मौके पर पहुंची एंबुलेंस से उन्हें अस्पताल ले जाया गया। जयपुर के जिलाधिकारी संदेश नायक ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग मकान में रखी ज्वलनशील सामग्री के कारण लगी होगी।

उन्होंने बताया, 'मकान में कुछ ज्वलनशील सामग्री मौजूद थी। आग लगने का सही कारण विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट होगा।' जयपुर के पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने बताया कि आवासीय क्षेत्र में स्थित मकान का अवैध रूप से गोदाम के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। उन्होंने कहा, 'प्रथम दृष्टया यह गोदाम प्रतीत होता है। विस्तृत जांच से ही सही स्थिति स्पष्ट होगी।' मित्तल के अनुसार, फॉरेंसिक जांच से पता चलेगा कि मकान में रखी सामग्री पटाखे थी या नहीं। उन्होंने कहा कि मकान मालिक सहित सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। किशनपोल से विधायक अमीन कागजी घटना के बाद सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल लिया। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी खतरनाक सुविधा आवासीय क्षेत्र में कैसे संचालित हो रही थी।

कागजी ने कहा, 'क्या पुलिस को जानकारी नहीं थी कि आवासीय क्षेत्र में बारूद और पटाखों की फैक्टरी संचालित की जा रही है। लोग खुलकर बोल नहीं रहे हैं। अब तक स्वामित्व और जिम्मेदारी को लेकर स्पष्ट जवाब नहीं मिले हैं।' एक स्थानीय निवासी ने बताया कि आग लगने से पहले विस्फोट की आवाज सुनाई दी थी।

उसने कहा, 'हमने पानी का टैंकर मंगवाया और पाइप से आग बुझाते हुए अंदर जाने की कोशिश की। हम तीन-चार लोगों को बाहर निकालने में सफल रहे। बाद में उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया।' गोदाम के पास रहने वाले एक अन्य व्यक्ति लियाकत ने बताया कि आग लगने से ठीक पहले सिलेंडर में विस्फोट जैसी आवाज सुनाई दी थी और कुछ ही पल में लपटों ने पूरे परिसर को घेर लिया। लियाकत ने बताया कि मलबे से एक पटाखा ब्रांड का लेबल बरामद हुआ है, जिससे संकेत मिलता है कि मकान के अंदर बड़ी मात्रा में पटाखे मौजूद थे।

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट युगांतर शर्मा ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल, एंबुलेंस, पुलिस दल और वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है, जो आग लगने के कारणों की जांच करेगी और जिम्मेदारी तय करेगी। शर्मा ने कहा, 'गोदाम मालिक और इसके संचालन से जुड़ी जानकारी अभी सत्यापित की जा रही है।' उन्होंने कहा, खो-नागोरियन क्षेत्र में हुई इस दुर्घटना में जनहानि की खबर बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस हादसे पर गहरी संवेदना जाहिर की। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्यों में पूरी तत्परता से जुटने, घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता देने के निर्देश जारी किए गए हैं।'

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विपक्ष के नेता टीकाराम जूली और अन्य नेताओं ने भी घटना पर शोक व्यक्त किया। यह राजस्थान में चार महीने के भीतर अपनी तरह की दूसरी बड़ी दुर्घटना है। फरवरी में अलवर जिले के भिवाड़ी कस्बे में अवैध पटाखा फैक्टरी में आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई थी।

पानी का टंकी खोला तो उड़ गए होश, अंदर मौजूद थे 27 सांप, खौफनाक वीडियो आया सामने..

डेस्क जगप्रेरणा।

उत्तराखंड के हरिद्वार जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे जानकर आपके भी होश उड़ जाएंगे। जानकारी के अनुसार, एक मकान मालिक ने अपने घर में जब पानी की टंकी को खोला तो उसकी हालत खराब हो गई।

दरअसल, टंकी को खोले जाने पर उसके अंदर सांप के 27 बच्चे मौजूद थे। मामले के सामने आने के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर सांप के बच्चों को रेस्क्यू किया।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, ये पूरा मामला हरिद्वार के सराय ग्राम स्थित एक मकान सामने आया है। घर के पानी के टैंक में बड़ी संख्या में सांप के 27 बच्चे दिखाई दिए हैं। सामने आई जानकारी के अनुसार, जब घर के लोगों ने टैंक के अंदर झांककर देखा तो वहां दर्जनों सांप के बच्चे घूमते नजर आए। अचानक इतनी संख्या में सांप दिखाई देने से परिवार के सदस्य दहशत में आ गए। ग्रामीणों ने भी इतनी बड़ी संख्या में सांप देखे तो उनके होश उड़ गए। इसके बाद तत्काल इस मामले की सूचना वन विभाग को दी है।

वीडियो आया सामने..

पानी की टंकी में 27 सांपों के मिलने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दिखाई दे रहा है कि जब घर में पानी की टंकी को टॉर्च की मदद से चेक किया गया तो अंदर में बड़ी संख्या में सांप दिखाई दे रहे थे। इसके बाद खौफ में आए लोगों ने प्रशासन को इसकी सूचना दी।

वन विभाग की टीम ने सांपों को किया रेस्क्यू..

घर में पानी की टंकी में सांप मिलने की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम के साथ पहुंचे स्नेक कैचर तालिब और भोला ने कड़ी मशक्कत के साथ अभियान चलाया और सांपों को इकट्ठा किया। रेंज अधिकारी शीशपाल सिंह के मुताबिक टैंक से कुल 27 सांप के बच्चे बरामद हुए जिनको को सुरक्षित बाहर निकाला गया। रेस्क्यू अभियान के दौरान आसपास के लोगों की भीड़ भी मौके पर जमा हो गई और लोगों के लिए यह विषय चर्चा का विषय बन गया।

चंबा गांव में तेंदुए के हमले में कम से कम 16 भेड़ मरी, स्थानीय लोगों में दहशत..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित पुलान ग्राम पंचायत के गढ़नल्लाह इलाके में रात के समय एक तेंदुए ने भेड़ों के झुंड पर हमला कर दिया, जिसमें 16 भेड़ें मारी गईं। एक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि छह भेड़ें लापता बताई जा रही हैं। भेड़ों को चराने के लिए ऊंचाई वाले क्षेत्र में लेकर गया चरवाहा चमन सिंह सोमवार रात को हुए तेंदुए के हमले के समय वहीं मौजूद था। हमले के कारण भेड़ें डरकर इधर-उधर भागने लगीं। सामाजिक कार्यकर्ता दीप ठाकुर ने बताया कि सुबह 16 भेड़ें मरी पाई गईं और छह लापता बताई गयीं। इस घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई और स्थानीय लोगों ने स्थानीय प्रशासन से चरवाहों व उनके पशुओं की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। ठाकुर ने प्रशासन से सिंह को उचित मुआवजा देने की भी अपील की।

झारखंड के हजारीबाग में बाइक सवार बदमाशों ने युवक की गोली मारकर हत्या की..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

झारखंड के हजारीबाग जिले में मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात बदमाशों ने एक युवक की कथित रूप से गोली मारकर हत्या कर दी।

पुलिस को आशंका है कि यह वारदात पारिवारिक विवाद का नतीजा हो सकती है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सोमवार रात करीब 11 बजे करसो पुल के पास हुई, जब पीड़ित की कार का टायर पंचर हो गया था। उस वक्त वह कोडरमा रेलवे स्टेशन जा रहा था।

बरही के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) राधा प्रेम किशोर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'विक्की सोनी (30) और उनका दोस्त कार से रेलवे स्टेशन जा रहे थे, तभी करसो पुल के पास उनकी गाड़ी का एक टायर पंचर हो गया। जैसे ही कार रुकी, बाइक पर आए दो अज्ञात बदमाशों ने उन पर गोलियां चला दीं। सोनी की गर्दन में गोली लगी, जिससे उसकी मौत हो गई।' एसडीपीओ ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित को तुरंत बरही अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि अपराधियों को पकड़ने के लिए अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

वहीं, बरही थाना प्रभारी ने बताया कि शुरुआती जांच से संकेत मिलता है कि युवक की हत्या किसी पारिवारिक विवाद के चलते की गई है। इस बीच, घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों और मृतक के परिजनों ने मंगलवार दोपहर झंडा चौक पर शव को सड़क पर रखकर आधे घंटे से अधिक समय तक प्रदर्शन किया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। वरिष्ठ अधिकारियों से त्वरित और सख्त कार्रवाई का आश्वासन मिलने के बाद प्रदर्शनकारियों ने सड़क को खाली किया।

महाराष्ट्र के पुणे में शेफ्लर इंडिया संयंत्र में गैस रिसाव से दो श्रमिकों की मौत..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

महाराष्ट्र के पुणे जिले में तालेगांव एमआईडीसी क्षेत्र में स्थित शेफ्लर इंडिया लिमिटेड के संयंत्र में अग्निशामक उपकरणों के रखरखाव कार्य के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड गैस के रिसाव से दो श्रमिकों की मौत हो गई,

जबकि एक अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह घटना उस समय हुई जब ऑटोमोबाइल, औद्योगिक और एयरोस्पेस क्षेत्रों में कार्यरत प्रमुख इंजीनियरिंग कंपनी के संयंत्र में एक निजी ठेकेदार के कर्मचारी अग्निशामक उपकरणों का वार्षिक रखरखाव कार्य कर रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि रखरखाव कार्य में ठेकेदार कंपनी के तीन कर्मचारी और शेफ्लर इंडिया के दो कर्मचारी शामिल थे। अपराह्न करीब 12:30 बजे अग्निशामक उपकरणों के एक सिलेंडर से कार्बन डाइऑक्साइड गैस का रिसाव हो गया। उन्होंने कहा, 'कार्बन डाइऑक्साइड गैस के संपर्क में आने से दो लोग गंभीर रूप से प्रभावित हुए और उनकी मृत्यु हो गई। एक व्यक्ति का उपचार चल रहा है और उसकी स्थिति स्थिर है।' पुलिस ने बताया कि मृतकों के संबंध में अस्पताल से विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि इस मामले में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है और घटना की विस्तृत जांच जारी है। शेफ्लर इंडिया, जर्मनी मुख्यालय वाले शेफ्लर समूह की भारतीय अनुषंगी कंपनी है।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 441601 मो. 9890696200

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
राकेश रोकड़े सालेकसा
मो. 9049200353

वर्षबिन पटेल ने राष्ट्रवादी कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भरा जोश, कहा जोरदार स्वागत करें राजेन्द्र जैन जी का..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया भंडारा विधान परिषद का प्रतिनिधित्व करने के उपरांत अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कोटे से पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन को राज्यसभा सदस्य बनाया गया है। राजेन्द्र जैन राज्यसभा सदस्य के रुप में निर्विरोध निर्वाचित होने में सफल रहे, जिसके उपरांत 08 जून को सौ. वर्षा प्रफुल पटेल ने

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक ली, और उनका मनोबल बढ़ाते हुए राजेन्द्र जैन का जोरदार स्वागत करने की अपील की है। वर्षाताई ने कार्यकर्ताओं से बात करते हुए कहा कि स्व. मनोहरभाई पटेल के काम, उनकी पुरानी तस्वीरें देख देखकर हमें हमेशा प्रेरणा मिलती रही। पुराने एलबमों को देखकर मैं आज भी पहचान लूंगी कि मनोहरभाई के पुराने साथियों में कौन कौन उनके साथ रहे। वर्षाबेन ने विधान परिषद में राजेन्द्र जैन को पुनः उम्मीदवार नहीं बनाये जाने का जिक्र करते हुए कहा कि आप मायूस क्यों होते हो। हर किसी का वक्त होता है, विधान परिषद की सीट पर भाजपा का दावा पुख्ता था। उनकी संख्या थी, तो उन्हें अवसर दिया जाना ही उचित था। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक सभी की बारी आती है। अब देखो राजेन्द्र जैन की बारी आ गई, क्योंकि उनका नसीब खुल गया।

यह भी बोली वर्षबेन..

कार्यकर्ताओं से बात करते हुए सौ. वर्षाबेन ने कहा कि ये जो लकीरें होती है ना हाथ की, कोई नहीं मिटा सकता। ऐसे कई अवसर आते रहे, जब आप सभी मुझसे भी कहते, भाभीजी भैया को बोलो ना।

जब तक स्थितियां अनुकुल ना हो, अवसर नहीं मिल सकते, कोई जबरदस्ती नहीं की जा सकती। आपने कहा कि टिकिट नहीं मिलती तो नाराजगी में स्वतंत्र उम्मीदवार के रुप में लड़ने के लिये खड़े हो जाते हैं, और खुद का भी नुकसान करते हैं और पार्टी का भी। सब अपना सोचते हैं, लेकिन आपको मालुम है कि प्रफुल भाई पटेल, आपके लिये कितना लड़ते हैं।

प्रफुल भाई ने कहा था कुछ बड़ा करके दिखाऊंगा..

वर्षाबेन ने कार्यकर्ताओं से चर्चा करते हुए बताया कि राज्यसभा के लिये छगन भुजबल जी का नाम चल रहा था। फिर नवनीत राणा का नाम भी चर्चा में आया। लेकिन प्रफुल भाई ने मुझे कहा था कि मैं कुछ बड़ा करके दिखाऊंगा। आज हो हुआ है, मैं सिलेगांव गई थी, खेतों में घुम रहे थे, इतने में प्रफुल भाई का फोन आया, उन्होंने सवा दस बजे फोन किया, और बोले की राजु का कर दिया है। मैंने पूछा कि क्या कर दिया, बोले की राज्यसभा। और फोन रख दिया। इसके बाद फिर फोन आया कि हां काम हो गया। यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई। धीरज का फल मीठा होता है।

50 साल का साथ है राजेन्द्र जैन जी का..

वर्षाबेन ने कहा कि राजेन्द्र जैन का प्रफुल भाई पटेल के साथ 50 साल का साथ है। 50 साल बहुत होते हैं। 50 साल में उन्होंने भी हमारे साथ बहुत उतार चढ़ाव देखे। ये चार महीने पहले का उतार चढ़ाव क्या है। लेकिन आप देखिये, प्रफुल भाई का स्वभाव देखिये, बहुत कुछ सहा, लेकिन किसी के बारे में बूरा नहीं कहा। ये है प्रफुल भाई पटेल, किसी के बारे में बूरा नहीं बोलते। वो अपनी लड़ाई खुद लड़ते हैं, और हमको भी अपनी लड़ाई खुद लड़ना है। हमारे साथ में प्रफुल भाई पटेल हैं ना। मैं हूं ना। आप जनता की लड़ाई लड़ो, अटक जाओ तो प्रफुल भाई पटेल हैं। और प्रफुल भाई के आदेश से राजेन्द्र जी जैन आपके लिये खड़े हैं। आप सब हैं तो पार्टी है और प्रफुल भाई पटेल हैं और राजेन्द्र जी जैन हैं। वर्षाबेन ने आगे कहा कि मैं आप सभी को बधाई देती हूं। आपको शुभेच्छा देती हूं, और भव्य स्वागत करियेगा राजेन्द्र जैन जी का। उनका गोंदिया आगमन होगा, तो हम सब मिलकर खुशी मनाएंगे।

गोंदिया जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमर वराड़े ने की तालुका निरीक्षकों की नियुक्ति..

दुष्यंत किरसान और निकेश मिश्रा को सौंपी गोंदिया शहर की जिम्मेदारी..

जगप्रेरणा गोंदिया।

आगामी जिला परिषद, पंचायत समिति तथा ग्राम पंचायत चुनावों की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए गोंदिया जिला कांग्रेस कमेटी ने जिले के विभिन्न तालुकों के लिए निरीक्षकों की नियुक्ति की है। यह नियुक्तियां जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमर वराडे

द्वारा संगठन को मजबूत करने तथा स्थानीय स्तर पर समन्वय बढ़ाने के उद्देश्य से की गई हैं। जारी प्रेस नोट के अनुसार नियुक्त निरीक्षक संबंधित तालुकों का दौरा कर कांग्रेस के प्रमुख नेताओं, जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों, ग्राम पंचायत सरपंचों, कृषि उपज बाजार समिति के संचालकों तथा कार्यकर्ताओं से चर्चा करेंगे। इसके बाद वे अपनी रिपोर्ट जिला कांग्रेस अध्यक्ष अमर वराडे को प्रस्तुत करेंगे।

इन्हे दी गई जवाबदारियां..

नियुक्त निरीक्षकों में गोंदिया शहर के लिए एड. दुष्यंत किरसान एवं निकेश मिश्रा, गोंदिया ग्रामीण के लिए महेश उके, शैलेश बहेकार, डॉ. विवेक मेंढे एवं देवेंद्र रहांगडाले, गोरेगांव तालुका के लिए आलोक मोहांती एवं मनीष मेश्राम, सालेकसा के लिए जीवन शरणागत एवं रणजीत गणवीर, सड़क अर्जुनी के लिए ओमप्रकाश पटले एवं विलास मेश्राम, मोरगांव अर्जुनी के लिए राजेश चांदेवार एवं मोतीलाल पीहीदे, देवरी के लिए श्रीकांत घाटबांदे एवं अनिल दहिवले, आमगांव के लिए जितेश राणे एवं सूर्यप्रकाश भगत तथा तिरोड़ा के लिए जितेंद्र कटरे एवं अमान शफी रोगाटिया को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला कांग्रेस कमेटी का मानना है कि इन नियुक्तियों से संगठनात्मक गतिविधियों को गति मिलेगी तथा आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए पार्टी को मजबूत आधार प्राप्त होगा।

विधानसभा क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से मिले विधायक संजय पुराम, दिया निवेदन..

12 घंटे बिजली सप्लाई और रबी धान खरीद की लिमिट बढ़ाने की मांग..

जगप्रेरणा आमगांव।

अभी मानसून का मौसम आ रहा है और किसान खरीफकी फसल बोने में लगे हैं। लेकिन, ज़रूरत के समय बार-बार बिजली सप्लाई में रुकावट आने से किसानों के लिए खेती का काम करना और पानी देना बहुत मुश्किल हो गया है। इस गंभीर समस्या की ओर

ध्यान दिलाते हुए आमगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय पुराम ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक खास निवेदन दिया है और विधानसभा क्षेत्र में तुरंत 12 घंटे बिजली सप्लाई सुचारू करने की मांग की है। विधायक संजय पुराम ने मुख्यमंत्री को दो अलग-अलग निवेदन दिए हैं और विधानसभा क्षेत्र के किसानों और नागरिकों की मुख्य समस्याओं को सामने रखा है। पहली मांग में बिजली सप्लाई सुचारू करने का आदेश देने की मांग की गई है। मुख्यमंत्री को दिए गए निवेदन में कहा गया है कि आमगांव-देवरी विधानसभा क्षेत्र में खरीफकी बुआई का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे मुश्किल समय में लगातार बिजली जाने से किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। फसलों को पानी देने में हो रही दिक्कत से आम लोग और किसान परेशान हैं।

इस दिक्कत को देखते हुए, संबंधित बिजली वितरण अधिकारियों को आदेश दिया जाना चाहिए कि इस इलाके में हर दिन कम से कम 12 घंटे बिना रुकावट और आसानी से बिजली सप्लाई की जाए। इसी तरह, दूसरी मांग में कहा गया है कि रबी धान खरीदने की लिमिट बढ़ाई जाए और गोंदिया जिले के रबी किसानों का मुद्दा उठाया गया है। इस साल रबी सीजन में गोंदिया जिले में बड़ी मात्रा में धान (चावल) की फसल हुई है। लेकिन, सरकार की मदद से चल रहे धान खरीद केंद्रों पर सोसाइटियों का खरीद टारगेट (लिमिट) बहुत कम है। इस वजह से किसानों को अपना हक का अनाज बेचने में बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। अगर सोसाइटियों का खरीद टारगेट बढ़ाया जाए, तो किसान अपना रबी धान आसानी से और सही दाम पर बेच पाएंगे। इसलिए, यह ज़ोरदार मांग की गई कि सरकार रबी सीजन 2026 के लिए धान खरीदने की लिमिट तुरंत बढ़ाए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को ज्ञापन देते समय, विधायक संजय पुराम के साथ गोंदिया जिला भाजप अनुसूचित जाती आघाडी महामंत्री डॉ. राजेंद्र बडोले भी थे विधायक संजय पुराम ने मॉनसून से ठीक पहले खेती के लिए बिजली और रबी धान की कटाई के लिए सही बाजार देने के लिए सीधे मुख्यमंत्री से संपर्क किया, जिससे गोंदिया जिले के किसानों को उम्मीद है कि सरकार अब इस पर कोई सकारात्मक फैसला लेगी।

राजेंद्र जैन के निर्विरोध राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने पर

देवरी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने मनाया जश्न, अग्रसेन चौक पर की आतिशबाजी, बांटी मिठाईयां.. मनाई खुशियां..

सुरेश गवते, जगप्रेरणा देवरी।

राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक राजेंद्र जैन का राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने जाने पर आज, मंगलवार को देवरी शहर में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। देवरी तालुका राष्ट्रवादी कांग्रेस की ओर से स्थानीय अग्रसेन चौक पर भव्य जश्न मनाया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पटाखों की जोरदार आतिशबाजी की और मिठाई बांटकर अपनी खुशी का

इजहार किया गया। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार द्वारा दिए गए इस्तीफे के कारण खाली हुई राज्यसभा सीट पर महायुति की ओर से राष्ट्रवादी कांग्रेस के विदर्भ के वरिष्ठ एवं निष्ठावान नेता राजेंद्र जैन की उम्मीदवारी घोषित की गई थी। विपक्षी महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार द्वारा इस चुनाव से अपना नामांकन वापस लेने के कारण जैन का एकमात्र मुख्य आवेदन शेष रह गया। इस वजह से राज्यसभा के लिए उनका निर्विरोध चुना जाना पूरी तरह से तय हो गया है। आज अग्रसेन चौक पर आयोजित इस विजय जश्न कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) के देवरी तालुका अध्यक्ष छोटेलाल बिसेन, आदिवासी विकास महामंडल के निदेशक रमेश ताराम, गोपाल तिवारी, पार्षद पंकज शहारे, पार्षद हिना टेंभरे, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष सुमनताई बिसेन, पूर्व जिला परिषद सदस्य पारबताबाई चांदेवार, भय्यालाल चांदेवार, नेमिचंद अंबिलकर, सचिन अग्रवाल, चंचल जैन, श्रेय जैन, दिलीप दुरुगकर, मतीन पठान, मेश्राम सहित तालुका के सभी प्रमुख पदाधिकारी, विभिन्न अघाड़ियों (मोर्चों) के प्रमुख और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रफुल भाई पटेल आगे बढ़ो', राजेंद्र जैन जिंदाबाद' जैसे गगनभेदी नारे लगाकर पूरा परिसर गुंजायमान कर दिया। इस अवसर पर पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने पार्टी की नेता और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा ताई पवार का आभार भी व्यक्त किया।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। पाठक अपने ग्रुप में जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं।

चावल देता है की नही बोलकर बेटे ने की बाप से मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिले के अर्जुनी मोर पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 8/6/2026 के शाम 5 बजे के दरम्यान ग्राम ताडगाव मे फर्यादी प्रमोद कैरव हुमने उम्र 56 वर्ष निवासी ताडगाव अपने घर पर थे तभी बेटा शराब के नशे मे घर आया और कहा मुझे चावल दे कैसे नही देता बोलकर मारने दौडा फर्यादी ने कहा क्यो झगडा कर रहा है तो बेटे ने हसीये के मुठ से सरपर मारकर जख्मी किया और आगे देख लेने की धमकी देने से दिये शिकायत पर पोस्टे अर्जुनीमोर मे अपराध क्रमांक 253/2026 धारा 118,2,352,351,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा गोंडाने 1131 पोस्टे अर्जुनी मोर कर रहे है।

रेल्वे से कटकर अज्ञात की मौत..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिले के आमगाव पुलिस स्टेशन मे अकस्मात मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 8/6/2026 के सुबह 6 बजे के दरम्यान धानोली से आमगाव लाईन पोल क्रमांक 976/24-22 04 के पास अज्ञात व्यक्ती के रेल्वे से कटकर मौत हुई है, फर्यादी रामचंद सेवकराम चौधरी उम्र 50 वर्ष पाईटसमैन के लिखित मेमो पर पोस्टे आमगाव मे अकस्मात मौत क्रमांक 28/2026 धारा 194, बि एन एन एस 2023 के तहत मर्ग दर्ज कर जॉच पोहवा परीहार 1429 पोस्टे आमगाव कर रहे है।

खेत मे ट्रैक्टर ले जाने की बात पर हुई मारपीट, मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिले के देवरी पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 8/6/2026 के दोपहर 4 बजे के दरम्यान फर्यादी अनिरुद्ध भागवत खोटेले उम्र 40 वर्ष निवासी भरेगाव और आरोपी रिश्तेदार होकर उनका पुराना जमीन का विवाद शुरू था। दोनो मे बातचीत बंद है, घटना के दिन आरोपी ने अपना ट्रैक्टर खात भरने के लिये फर्यादी की बंधी मे लाया उसने कहा मेरे खेत मे मत ला हमारी बातचित बंद है, वहा दोनो आरोपी आये और गाली गलौच करते हुवे लकडी से फर्यादी को मारपीट की और आगे देख लेने की धमकी देने से दिये शिकायत पर पोस्टे देवरी मे अपराध क्रमांक 220/2026 धारा 118,1,351,3,352,3,5, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा परसमोडे 1136 कर रहे है।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
संजीव बापट गोंदिया
मो. 9922607145

जग प्रेरणा
गोंदिया भंडारा
● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टैंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेंन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com